राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार 11 अगस्त 2023 वर्ष–6,अंक–201 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ओडिशा में बढ़ी भाजपा की उम्मीदें, नवीन पटनायक के बजाए उनकी टीम को बनाएगी निशाना

बीजद से ज्यादा बड़ी चुनौती नवीन पटनायक बने हुए है, जिनकी लोकप्रियता का काट फिलहाल नहीं दिख रहा है। ऐसे में भाजपा ने अब नवीन के बजाए उनकी टीम और बीजद को निशाना बनाने की रणनीति पर काम कर रही है।

नई दिल्ली। ओडिशा की राजनीति और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक एक दूसरे के पर्याय जैसे हो गए हैं। यही वजह है कि ओडिशा की राजनीति बीते दो दशकों से नवीन पटनायक के आसपास घूमती रहती है। भाजपा के लिए इस राज्य में बीजद से ज्यादा बड़ी चुनौती नवीन पटनायक बने हुए है, जिनकी लोकप्रियता का काट फिलहाल नहीं दिख रहा है। ऐसे में भाजपा ने अब नवीन के बजाए उनकी टीम और बीजद को निशाना बनाने की रणनीति पर काम कर रही है। ओडिशा में लोकसभा व विधानसभा चुनाव एक साथ होने हैं। ऐसे में वहां की चुनावी रणनीति पर दोनों चुनावों का दबाब रहता है। राज्य में कांग्रेस काफी कमजोर है। ऐसे में सत्तारूढ़ बीजद का मुकाबला भाजपा से ही होना है। भाजपा ने भी नवीन पटनायक की मजबूत स्थिति को देखते हुए सीधे उन पर प्रहार न करने की रणनीति अपनाई है। ऐसे में उसके निशाने पर राज्य के अन्य मंत्री, सांसद व नौकरशाही रहती है। वैसे भी भाजपा को संसद में मौके बेमौके बीजद का समर्थन मिलता रहा है। लोकसभा में भाजपा को पिछली बार काफी लाभ मिला था और उसने 21 में से आठ पर जीत हासिल की थी। बीजद को 12 व कांग्रेस को एक सीट मिली थी। दूसरी तरफ विधानसभा में 147 सीटों में बीजद के पास 114 सीटें हैं। भाजपा के पास 22, कांग्रेस के पास नौ व सीपीएम व आईएनडी के पास एक एक सीट है। इस आंकड़े से साफ है कि राज्य में 2000 से सत्ता पर काबिज नवीन पटनायक को फिलहाल बड़ी चुनौती मिलती नहीं दिख रही है। हालांकि भाजपा ने राज्य में कई प्रयोग किए हैं, लेकिन वह सफल नहीं रहे हैं।

ऐसे में भाजपा की रणनीति लोकसभा चुनावों पर ज्यादा केंद्रित रहेगी। उसकी कोशिश रहेगी कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे

राज्य में कांग्रेस काफी कमजोर है। ऐसे में सत्तारूढ़ बीजद का मुकाबला भाजपा से ही होना है। भाजपा ने भी नवीन पटनायक की मजबूत स्थिति को देखते हुए सीधे उन पर प्रहार न करने की रणनीति अपनाई है।

के साथ अपनी ताकत को और ज्यादा बढ़ा सके। साथ ही नवीन पटनायक पर नरम रुख अपनाकर भाजपा इसे भी अपने पक्ष में भुनाने की कोशिश करेगी। इस बार पार्टी की कोशिश राज्य की आधी से ज्यादा सीटें जीतने की होगी। ओडिशा में भाजपा की रणनीति को अमल में लाने का दारोमदार केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, आदिवासी नेता जियोल ओराम व युवा नेता संबित पात्रा पर ज्यादा रहेगा। पार्टी की रणनीति को धार देने के लिए राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल कमान संभाले हुए हैं।

नूंह में 100 करोड़ रुपये के नशे का कारोबार, तस्करी की कोचिंग; आतंक से भी रिश्ता

नूंह। नूंह के पुन्हाना से देशभर में सालाना 100 करोड़ रुपये के नशे का कारोबार किया जा रहा है। साथ ही यहां नशा तस्करी का पाठ भी पढ़ाया जा रहा है। यहां लग रहे तस्करी की पाठशाला में देशभर से लोग ज्ञान लेने पहुंचते हैं। इससे पुलिस की चिंता बढ़ गई है। अधिकारी इसपर कुछ भी कहने से बच रहे हैं। नूंह पुलिस के अनुसार नशा तस्करी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन साल में 64 से अधिक मुकदमे दर्ज किए गए। इसमें 170 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। मीडिया रिपोर्ट्स और सूत्रों के अनुसार झारखंड पुलिस ने खुफिया एजेंसी की मदद से हाल ही में इंडियन मुजाहिद्दीन (आईएम) के कुछ सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के अलावा हरियाणा के नूंह जिला स्थित पुन्हाना से ब्राउन शुगर व अन्य नशीले सामान मंगाते हैं। इनकी तस्करी जमशेदपुर के कोल्हान, कीताडीह, संजयनगर, बर्मामाइंस, जुगसलाई, खरकई नदी तट से सटे बस्ती क्षेत्र, छायानगर व अन्य क्षेत्र में करते हैं। इसके लिए नशा नूंह, यूपी के गोरखपुर, बिहार के रास्ते झारखंड के जमशेदपुर व अन्य शहरों में पहुंचाया जाता है। तस्करी के फंड को आतंकी व देश विरोधी गतिविधियों में लगाते हैं।

पुन्हाना से है कनेक्शन

मीडिया रिपोर्ट्स व सूत्रों के अनुसार जमशेदपुर में गिरफ्तार इंडियन मुजाहिद्दीन के आतंकी अबू फैजल, इरशाद, शीश महमूद, अब्दुल रहमान कटकी, धतकीडीह के अब्दुल समी, मसूद व अख्तर आजादनगर के जीशान अली सहित अन्य का नूंह कनेक्शन है। वह पुन्हान से ब्राउन शुगर व अन्य नशीले पदार्थ की तस्करी करते हैं।

एसपी ने नहीं दिया जवाब

इस बाबत नूंह पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजारनिया जानकारी मांगी गई तो उन्होंने कोई जबाव नहीं दिया। व्हाट्सएप पर भी उनसे पक्ष जानने के लिए मैसेज किया गया। लेकिन उनका कोई उत्तर नहीं अया।

झारखंड पुलिस ने क्या कहा–झारखंड पुलिस के महानिदेशक अजय सिंह ने कहा कि पुलिस को सख्त निर्देश दिया गया है कि संगठित अपराधियों को चिह्नित कर सख्त कार्रवाई करें। बड़े पैमाने पर अभियान चलाने की तैयारी है।

ज्ञानवापी में लगातार सातवें दिन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण टीम का वैज्ञानिक सर्वे

वाराणसी। ज्ञानवापी परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की टीम गुरुवार को निर्धारित समय पर सुबह आठ बजे पहुंच गई। लगातार सातवें दिन टीम ने पूरे ज्ञानवापी परिसर में सर्वे कार्य शुरू कर दिया है। सर्वे में परिसर के हर हिस्से की फोटो और वीडियोग्राफी कराने के साथ श्री डी मैपिंग हो रही है। श्रीडी इमेज तैयार करने के लिए टीम ने परिसर में कई जगहों पर डिफरेंशियल ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (डीजीपीएस) स्थापित किया है। इसके पहले छठे दिन माना जा रहा है कि टीम ने तहखानों की दीवारों और सतह की श्री डी मैपिंग कराई। इसके साथ पश्चिमी दीवार और तहखानों के पास पड़े मलबे को भी रिकार्ड में दर्ज किया। सर्वे टीम ने ज्ञानवापी के पूरब दिशा में मौजूद दो ऊंची मीनारों और उसमें बनी सीढ़ी को देखने के साथ इसमें इस्तेमाल पत्थरों की

जांच की। पत्थरों पर उभरी आकृतियों की वीडियोग्राफी की। सर्वे टीम में शामिल 42 विशेषज्ञों की टीम चार दलों में बंट कर पहले चिह्नित स्थानों की जांच शुरू की। 10 सदस्यों का एक दल दक्षिणी तहखाने में मौजूद व्यास जी के कमरे में दाखिल हुआ। 10 सदस्य दल उत्तरी तहखाने में दाखिल हुआ। खास बात यह है कि ज्ञानवापी परिसर में ग्राउंड पेनेट्रेटिक रडार (जीपीआर) सर्वे के लिए आईआईटी कानपुर की टीम भी आने वाली है। उधर, प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों ने ज्ञानवापी श्रृंगारगौरी केस के वादी व प्रतिवादी को सख्त हिदायत दी है कि ज्ञानवापी परिसर के एएसआई सर्वे के संबंध में किसी तरह की बयानबाजी न की जाए। प्रशासन ने दोनों पक्षों को हिदायत दी है कि सर्वे के दौरान वे एएसआई टीम से दूरी बनाकर रखेंगे। इसका असर दिखा और सर्वे टीम के साथ आए वादी पक्ष के अधिवक्ता मौन दिखे। ज्ञानवापी सर्वे को देखते हुए अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था डॉ. एस चन्नप्पा व अन्य अफसर क्षेत्र में फुट पेट्रोलिंग पर खासा जोर दे रहे है।

इस्लाम के खिलाफ इंस्टाग्राम पर विवादित पोस्ट, मध्य प्रदेश के रतलाम में बवाल

रतलाम। सोशल मीडिया पर इस्लाम के खिलाफ विवादित पोस्ट को लेकर मध्य प्रदेश के रतलाम में बुधवार रात जमकर बवाल हुआ। मुस्लिम समुदाय के आक्रोशित लोग पुलिस हाट की चौकी पर जमा हो गए। विवादित पोस्ट डालने वाले पर सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन में लोगों की संख्या कुछ ही देर में बहुत ज्यादा हो गई। बवाल बढ़ते देख दो थानों की पुलिस सहित थाना प्रभारी और सीएसपी मौके पर पहुंच गए। समाजसेवी और पुलिस के अधिकारियों की समझाइश के बाद मामले को शांत किया गया शहर काजी अहमद अली, समाज सेवी इमरान खोकर, पार्षद वसीम अली भी मौके पर पहुंचे और लोगों को शांत कराया। पुलिस ने बताया एक अज्ञात लड़की के खिलाफ मामला दर्ज किया है और तलाश शुरू कर दी। अब यह पता करेंगे कि इंस्टाग्राम की आईडी को असल में कौन चला रहा है? रात को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार खाका,

सीएसपी अभिनव कुमार वारंगे, औद्योगिक पुलिस थाना प्रभारी राजेंद्र वर्मा धक्कामुक्की भी की गई। समझाने गए शहर काजी अहमद अली को वापस भेज दिया इसके बाद युवाओं ने कमान संभाली। धरना देने वालों की मांग की थी कि जिसने भावना आहत करने वाली पोस्ट की है उसके मकान को तोड़ा जाए। देर तक इस मांग को लेकर नारेबाजी चलती रही। पुलिस के समझाने का असर भी नजर नहीं आया। एक बार तो पुलिस चौकी में अंदर तक जाने का प्रयास हुआ, हालांकि सीएसपी वारंगे, टीआई अनुराग यादव व शहर काजी अली के संयुक्क्त प्रयास के बाद युवा रोड पर ही प्रदर्शन को राजी हो गए। इसके बाद पुलिस ने एफआईआर की। इसके बाद भी कोई सुनने को तैयार नहीं हुआ और नारेबाजी चलती रही। बाद में समाजसेवी इमरान खोकर, पार्षद वसीम अली ने पुलिस की गाड़ी पर चढ़कर सभी को संबोधन दिया व चक्काजाम समाप्त करने के लिए राजी किया वही, एडिशनल एसपी राकेश खाखा ने बताया कि सोशल मीडिया पर किसी ने आपत्तिजनक पोस्ट डाली थी जिस पर एक समुदाय के लोग नाराज होकर शिकायत दर्ज कराने आए थे हमने लोगों को आश्वासन दिया और विवादित पोस्ट डालने वाले पर मामला दर्ज किया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने पाकिस्तान की नेशनल असेंबली को किया भंग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सलाह पर नेशनल असेंबली को उसके पांच साल के कार्यकाल के पूरा होने से तीन दिन पहले भंग कर दिया है। डॉन समाचार पत्र की आज जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि बुधवार आधी रात से ठीक पहले राष्ट्रपति कार्यायल ने एक बयान जारी कर कहा, राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने प्रधानमंत्री की सलाह पर अनुच्छेद 58(1) के तहत नेशनल असेंबली को भंग कर दिया है। इसके अनुमोदन के बाद संघीय मंत्रिमंडल भी भंग हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री अब्दुल कुद्दूस बिज़ेंजो ने उन रिपोर्टों का खंडन किया कि जिसमें कहा गया है कि गवर्नर मलिक अब्दुल वली काकर ने उन्हें प्रांतीय विधानसभा को भंग करने के लिए सार भेजा है। बिजेंजो ने बुधवार देर रात इस्लामाबाद से फोन पर डॉन समाचार पत्र को बताया, मैं बलूचिस्तान विधानसभा को भंग करने की सलाह भेजने की जल्दी में नहीं हूं। हालांकि उन्होंने कहा कि वह 12 अगस्त (शनिवार) को एक सार पर हस्ताक्षर कर सकते हैं।

50 लाख टन गेहूं और 25 लाख टन चावल और बेचेगी सरकार, बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण को लेकर फैसला

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कीमतों पर नियंत्रण के लिए 50 लाख टन गेहूं व 25 लाख टन चावल और बेचने का फैसला लिया है। सरकार की ओर से कहा गया कि चावल और गेहूं की घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और इनकी बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने को लेकर यह कदम उठाया गया है। केंद्रीय पूल से खुले बाजार में 50 लाख टन गेहूं और 25 लाख टन चावल की और बिक्री की जाएगी। चावल खरीदारों की संख्या कम होने के बीच सरकार ने खुले बाजार बिक्री योजना के तहत चावल का आरक्षित मूल्य घटाया है। 2 रुपये प्रति किलोग्राम की कमी के साथ नई कीमत 29 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। गेहूं आयात शुल्क में कटौती की संभावना पर सरकार ने कहा कि वह भविष्य में जरूरत के आधार पर कदम उठाएगी, क्योंकि चीजें गतिशील और विकसित हो रही हैं। सरकारी स्वामित्व वाली भारतीय खाद्य निगम 28 जून से ई-नीलामी के जरिए थोक खरीदारों जैसे आटा मिलों और छोटे व्यापारियों को केंद्रीय पूल से गेहूं-चावल बेच रही है। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा, दो

वस्तुओं की कीमतें पिछले कुछ महीनों से खबरों में हैं, क्योंकि हम इन अनाजों की कीमतों में बढ़त की प्रवृत्ति देख रहे हैं। OMSS के तहत गेहूं का उठाव अब तक अच्छा रहा है। हालांकि, पिछली दो-तीन नीलामियों में गेहूं की भारित औसत कीमत बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि चावल में ज्यादा उठाव नहीं हुआ है।

आरक्षित मूल्य में बदलाव से बेहतर नतीजे–चोपड़ा ने कहा कि सरकार को लगा कि चावल के आरक्षित मूल्य में बदलाव से बेहतर परिणाम आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने ओएमएसएस के जरिए 50 लाख टन गेहूं और 25 लाख टन चावल खुले बाजार में लाने का फैसला किया है। यह 28 जून को ओएमएसएस के तहत घोषित 15 लाख टन गेहूं और 5 लाख टन चावल की बिक्री के अतिरिक्त है। इसके अलावा, सचिव ने कहा कि सरकार ने चावल का आरक्षित मूल्य 2 रुपये प्रति किलोग्राम घटाकर 31 रुपये प्रति किलोग्राम से 29 रुपये प्रति किलोग्राम कर दिया है। हालांकि, गेहूं का आरक्षित मूल्य अपरिवर्तित रखा गया है क्योंकि ओएमएसएस के तहत व्यापारियों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। उन्होंने कहा कि ओएमएसएस के तहत अब तक लगभग 7-8 लाख टन गेहूं की नीलामी की गई है, जबकि चावल की बिक्री बहुत कम है।

बाजार में उपलब्धता में सुधार की उम्मीद- खाद्य सचिव–खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि सरकार उम्मीद कर रही है कि इन उपायों से न केवल बाजार में उपलब्धता में सुधार होगा, बल्कि कीमतों को कम करने और खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, अगले कुछ हफ्तों में प्रतिक्रिया के आधार पर हम उनमें बदलाव करते रहेंगे। अंतिम उद्देश्य खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखना है। जरूरत पड़ने पर अधिक आक्रामक नीलामी करने के लिए सरकार के पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। गेहूं आयात शुल्क में कटौती की संभावना पर सचिव ने कहा, अभी हमने ये कदम उठाए हैं। ये गतिशील और विकासशील हैं। भविष्य में आवश्यकताओं के आधार पर हम कदम उठाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र यह सुनिश्चित करने के लिए राज्यों के साथ काम कर रहा है कि गेहूं में स्टॉक सीमा का उल्लंघन न हो।

अंग्रेज भी नहीं खोज पाए थे इस महल की सुरंग, क्रांति-कारियों का लगता यहां था जामवाड़ा

मेरठ। यूं तो 1857 में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन का उद्गम स्थल ही मेरठ था लेकिन इसके अलावा भी मेरठ और इसके आसपास कई ऐसे स्थान हैं जो क्रांतिकारियों की गतिविधियों के प्रमुख केंद्र थे। इनमें मेरठ में गढ़ रोड स्थित गांधी आश्रम, मेरठ कालेज, गुरुकुल डोरली, हस्तिनापुर का राजा रघुनाथ महल प्रमुख है। इन स्थलों से क्रांतिकारी आंदोलन की रणनीति तैयार करते थे और गतिविधियों को अंजाम देते थे।

गांधी आश्रम में रहते थे क्रांतिकारी–इतिहासकार प्रोफेसर डॉ. केके शर्मा बताते हैं कि गढ़ रोड स्थित गांधी आश्रम क्रांतिकारियों की गतिविधियों का प्रमुख केंद्र था। यहीं पर क्रांतिकारी रहते थे और अपनी गतिविधियों को अंजाम देते थे। महात्मा गांधी भी यहां आए थे। चौधरी रघुवीर नारायण सिंह त्यागी ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मेरठ में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कांग्रेस के 1946 के अधिवेशन की उन्होंने अध्यक्षता भी की थी। उनके चाचा ने भी कांग्रेस के प्रथम अधिवेशन में सक्रिय भूमिका निभाई थी। उन्होंने मेरठ में गढ़ रोड स्थित गांधी आश्रम की जमीन खरीदी, जिसे डोनेशन में दिया। मेरठ कॉलेज से चंद कदमों की दूरी पर कचहरी के समीप त्यागी हॉस्टल भी उन्हीं की देन है।

डोरली गुरुकुल पर अंग्रेजों ने लगा दिया था प्रतिबंध–इतिहासकार प्रोफेसर डॉ. नवीन गुप्ता एवं डॉ. प्रोफेसर देवेश शर्मा बताते है कि मेरठ का गुरुकुल डोरली आश्रम आजादी के आंदोलन में

प्रमुख क्रांतिकारी नेताओं का केंद्र था। यहां महर्षि दयानंद सात बार आए थे। महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री भी पहुंचे थे। आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों को गुरुकुल डोरली खटकने लगा था। आंदोलनकारियों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए ब्रिटिश सरकार ने गुरुकुल डोरली को प्रतिबंधित कर दिया था। इसकी स्थापना का श्रेय अलगूराय शास्त्री और पल्हैड़ा गांव के जमींदार पंडित शिवदयालू एवं डोरली के एक अन्य जमींदार को जाता है। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह डोरली प्रबंध समिति के 1924 से 1954 के बीच अध्यक्ष रहे।

आजादी के आंदोलन के गवाह है मेरठ कॉलेज का बरगद का पेड़-मेरठ कॉलेज भी क्रांतिकारियों की गतिविधियों के प्रमुख केंद्रों में से एक था। यहां लगा बरगद का पेड़ 1942 के आंदोलन का गवाह है। मेरठ में क्रांतिकारियों और आजादी के आंदोलन पर शोध करने वाले डॉ. मनोज कुमार गौतम बताते हैं कि यह पेड़ महात्मा नारायण स्वामी ने लगाया था। इसी बरगद के पेड़ के पास 196 घंटे तक यज्ञ व धरना चला था। इतिहासकार बताते हैं कि 1942 के आंदोलन में पूरे देश में सबसे ज्यादा गिरफ्तारी भी मेरठ में हुई। आंदोलन की बागडोर संभालने में प्रकाशवती सूद, द्रोपदी देव वैद्य, चारुशिला और डॉ. विमला का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

रघुनाथ महल की रहस्यमयी गुफा नहीं खोज पाए थे फिरंगी -राजा रघुनाथ नायक के इस महल में रहकर कई क्रांतिकारियों ने देश को आजाद कराने में मुख्य भुमिका निभाई। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में झांसी की रानी के मामा रघुनाथ नायक फौजी क्रांति के बाद यहां आकर छिपे थे। उन्होंने ही इस महल का निर्माण कराया था। महल में ऐसी दो गुफाएं हैं, जिसमें एक साथ 50 लोग बैठ सकते हैं। वर्ष 1919 में स्वतंत्रता सेनानी और महान संत सुमेर सिंह काली कमली वालों ने इस इमारत की कमान संभाली। इस गुरुकुल में देशभक्ति की भावना कूट-कूटकर भरी जाती थी। 1939 में काली कमली वालों के ब्रह्मलीन हो जाने के बाद शिष्य ब्रह्मचारी डॉ. स्वामी महंत उर्फ रामकिशन को महल का संचालक नियुक्त किया गया। संन्यासी जीवन व्यतीत करते हुए स्वामी जी आजादी की लड़ाई मे कूद पड़े। वह ब्रिटिश हुकूमत द्वारा गिरफ्तार कर लिये गये। उन्हें आन्ध्र प्रदेश की उस्मानाबाद जेल मे बंद कर दिया गया। इसी दौर में लाल बहादुर शास्त्री भी तीन माह स्वामी जी के साथ रहे। स्वामी जी हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी, उर्दू एवं पंजाबी समेत सात भाषाओं का ज्ञान रखते थे। वेदों के प्रचार हेतु उन्होंने देशभर में हिन्दुत्व की पताका लहराई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

केरल से केरलम

नए नाम की ध्वनि में एक मधुरता है, केरल राज्य का नाम केरलम होने जा रहा है। नाम बदलने की चर्चा पहले भी होती रही है और अब केरल की विधानसभा ने भी इस पर मुहर लगा दी है। नाम बदलने संबंधी प्रस्ताव को मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने सदन में पेश किया और सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से इसे पारित कर दिया। प्रस्ताव पेश करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मलयालम में हमारे राज्य का नाम केरलम ही है। तथ्य है कि 1 नवंबर, 1956 को देश में भाषायी आधार पर राज्यों का गठन किया गया था। इसी दिन केरल का स्थापना दिवस भी मनाया जाता है। यह भी एक तथ्य है कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान ही सभी मलयालमभाषी लोगों के लिए एक संयुक्त केरल राज्य बनाने की मांग की गई थी, जिसे तब की सरकार ने मान लिया था। स्थानीय स्तर पर साहित्य व संस्कृति के क्षेत्र में केरलम नाम की चर्चा होती है, पर आम तौर पर देश में इसकी चर्चा कम ही हुई है। अब यथोचित प्रक्रिया का पालन करते हुए केरल सरकार ने केंद्र सरकार से संविधान की आठवीं अनुसूची के तहत सभी आधिकारिक भाषाओं में राज्य का नाम बदलकर केरलम करने के लिए जरूरी संशोधन का अनुरोध किया है। जाहिर है, केंद्र सरकार को अगर यह प्रस्ताव मंजूर हुआ, तो दक्षिण के इस सुंदरतम राज्य का नाम पहले की तुलना में ज्यादा सुंदर और संगीतमय हो जाएगा। वैसे पश्चिम बंगाल सरकार ने भी अपने राज्य का नाम बदलकर बांगला रखने का प्रस्ताव कर रखा है। लगभग हर साल देश में अनेक गांवों और शहरों के नाम बदलते रहते हैं, लेकिन राज्य के नाम बदलने का फैसला कम ही होता है। यह कोई पहला मामला नहीं है, जब किसी राज्य का नाम बदला है। स्वयं केरल क्षेत्र का नाम 1 नवंबर 1956 से पहले त्रावणकोर-कोचीन हुआ करता था। मध्य प्रदेश का नाम पहले मध्य भारत था। तमिलनाडु का नाम मद्रास स्टेट था। कर्नाटक क्षेत्र पहले मैसूर राज्य कहलाता था। हाल के वर्षों की बात करें, तो उत्तरांचल का नाम उत्तराखंड हुआ। उड़ीसा बदलकर ओडिशा हो गया। उसके पहले नॉर्थ-ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी (नेफा) का नाम अरुणाचल प्रदेश किया गया। केंद्र शासित प्रदेश पांडिचेरी का पुडुचेरी कर दिया गया। जनभावनाओं के अनुरूप नाम बदलने की प्रक्रिया कतई गलत नहीं है और सत्तारूढ़ राजनीतिक दल उसी के अनुरूप मांग करते रहे हैं। नाम की अपनी राजनीति भी है और रणनीति भी। किसी की पहचान के साथ उसके नाम की बड़ी भूमिका होती है। बांगला और केरलम जैसे नाम अपने-अपने राज्य की पहचान को पुष्ट करने वाले हैं। नाम बदलने का यह दौर नया नहीं है, पर इधर के वर्षों में यह प्रक्रिया तेज हो गई है। भाजपा ही नहीं, वामपंथी पार्टियों को भी नाम बदलने से कोई परहेज नहीं है। केरल से केरलम करने का फैसला उस राज्य की वाम सरकार ने ही लिया है। नाम बदलने का फैसला पारंपरिक के साथ-साथ आधुनिकता का भी परिचायक है। दरअसल, यह अपनी पुरानी और सशक्त पहलुओं की खोज भी है। जब हम कुछ सक्षम हुए हैं, तब हम परंपरागत और आधुनिक, दोनों ही तरह की अपनी खूबियों को साथ लिए आगे बढ़ना चाहते है। हमें सजग रहना होगा, केवल सुंदर और सारगर्भित नाम की तलाश और स्थापना से ही हम खुशहाल नहीं हो जाएंगे। नाना प्रकार की गुलामियों से उबरने के बाद हमें अपने समाज और उसके सम्मान को उसकी व्यापक पहचान के अनुरूप ही संवारना होगा, तभी कोई नाम सार्थक होगा।

आज का राशीफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

आम आदमी के जीवन में भी दिखे विकास की खुशी

जयंतीलाल भंडारी

रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल से जून की पहली तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर 8 फीसदी से ज्यादा रहने वाली है। इससे चालू वित्त वर्ष के दौरान सालाना विकास दर के 6.5 फीसदी रहने की संभावना बन गई है। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2027 तक अमेरिकी इकोनॉमी का आकार 31.09 ट्रिलियन डॉलर का होगा और यह पहले स्थान पर होगी। दूसरे स्थान पर चीन 25.72 ट्रिलियन डॉलर के साथ होगा। तीसरे स्थान पर भारत 5.15 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के रूप में दिखाई देगा।

हाल ही में तीन अगस्त को आर्थिक शोध व बाजार पर नजर रखने वाले दुनिया के दो दिग्गज वैश्विक वित्तीय संगठनों– ब्रोकरेज फर्म मोर्गन स्टेनली और एस एंड पी ग्लोबल द्वारा वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रकाशित रिपोर्टों में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में लंबी तेजी का दौर शुरू हो गया है। दुनिया के दूसरे देशों की तुलना में तेजी से आगे बढ़ते हुए भारत आर्थिक शक्ति बनने की डगर पर अग्रसर है। कोई एक वर्ष पहले दुनिया के प्रमुख आर्थिक और वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में कहा जा रहा था कि दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा रखने वाला भारत वर्ष 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में दिखाई देगा, लेकिन इन दिनों प्रकाशित हो रही रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में दिखाई दे सकता है। हाल ही में प्रकाशित अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ), अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक मॉर्गन स्टेनली जैसे कई वैश्विक संगठनों की रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि भारत 2027 तक जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरकर सामने आएगा। इतना ही नहीं, 30 जुलाई को विश्व प्रसिद्ध स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि फिलहाल भारत में जो प्रति व्यक्ति आय 2450 डॉलर है, वह वर्ष 2030 तक 70 फीसदी बढ़कर 4000 डॉलर प्रति व्यक्ति हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि 27 जुलाई को जारी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शोध इकाई इकोरैप की रिपोर्ट में भी कहा किया गया है कि भारत वर्ष 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ अग्रसर है। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल से जून की पहली तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर 8 फीसदी से ज्यादा रहने वाली है। इससे चालू वित्त वर्ष के दौरान सालाना विकास दर के 6.5 फीसदी रहने की संभावना बन गई है। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2027 तक अमेरिकी इकोनॉमी का आकार 31.09 ट्रिलियन डॉलर का होगा और यह पहले स्थान पर होगी। दूसरे स्थान पर चीन 25.72 ट्रिलियन डॉलर के साथ होगा। तीसरे स्थान पर भारत 5.15 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के रूप में दिखाई देगा। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 26 जुलाई को राष्ट्रीय राजधानी के प्रगति मैदान में दोबारा बनाए गए अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केंद्र परिसर (आईईसीसी) 'भारत मंडपम' राष्ट्र को समर्पित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि निश्चित रूप से आने वाले वर्षों में वृद्धि की रफ्तार और तेज होगी और भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। इस दावे की तार्किकता है कि क्योंकि जापान की अर्थव्यवस्था स्थिर हो चुकी है और जर्मनी की अर्थव्यवस्था धीमी गति से बढ़ रही है। यहां यह भी महत्वपूर्ण है कि संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (यूएनईएससीएपी) की डिजिटल एवं टिकाऊ व्यापार सुविधा संबंधी रिपोर्ट-2023, इनवेस्को ग्लोबल की 'सोवरेन वेल्थ फंड निवेश रिपोर्ट-2023', निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स की 'भारत की आर्थिक संभावना रिपोर्ट 2023' को भारत की बढ़ती हुई आर्थिक, वित्तीय और निवेश अहमियत को रेखांकित करते हुए दिखाई दे रही हैं। संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग की डिजिटल एवं टिकाऊ व्यापार सुविधा संबंधी रिपोर्ट में भारत 140 देशों को पीछे छोड़ते हुए दुनिया में आगे पहुंच गया है। इनवेस्को ग्लोबल की रिपोर्ट के मुताबिक सोवरेन वेल्थ फंड के निवेश को लेकर दुनिया के 142 मुख्य निवेश अधिकारियों ने भारत को पहली पसंद बताया है। इनवेस्को के अध्ययन के मुताबिक भारत की कारोबारी व राजनीतिक स्थिरता में बढ़ोतरी हो रही है जो उसका मजबूत पक्ष है। राजकोषीय घाटा कम हो रहा है और राजस्व संग्रह में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इसके अलावा भारत की आबादी, नियामक पहल और सोवरेन निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल से भी भारत को निवेश की पहली पसंद बनने में मदद मिली है। विकासशील देशों में निवेश के लिए अब चीन नहीं बल्कि भारत निवेशकों की पहली पसंद बन गया है। इसी तरह निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक चूंकि भारत की 1.4 अरब की आबादी दुनिया की सबसे बड़ी आबादी बन गई है, इसलिए भारत की जीडीपी में प्रभावी रूप से विस्तार होने का अनुमान है। अनुमान लगाया कि अगले 20 वर्षों में बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत का निर्भरता अनुपात सबसे कम होगा। यह वास्तव में भारत के लिए विनिर्माण क्षमता स्थापित करने, सेवाओं में वृद्धि जारी रखने, बुनियादी ढांचे के विकास को जारी रखने के मामले में सही होने की खिड़की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के लिए नवाचार और बढ़ती श्रमिक उत्पादकता महत्वपूर्ण होने जा रही है। पूंजी निवेश भी भविष्य में विकास का एक महत्वपूर्ण चालक होगा। बढ़ती आय और गहरे वित्तीय क्षेत्र के विकास के साथ, अनुकूल जनसांख्यिकी के कारण भारत की बचत दर बढ़ने की उम्मीद है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि देश की अर्थव्यवस्था के तेजी से आगे बढ़ाने में बुनियादी ढांचे के निर्माण में आई क्रांति अहम भूमिका निभा रही है। पिछले लगभग एक दशक में आधुनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण पर 34 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। उद्योग-कारोबार को आसान बनाने के लिए 1,500 पुराने कानूनों और 40 हजार अनावश्यक अनुपालन को समाप्त किए जाने की अहम भूमिका है। इस समय भारत को एक वैश्विक डिज़ाइन और विनिर्माण केंद्र में बदलने के लिए मेक इन इंडिया 2.0, मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों के लिए तकनीकी समाधान को बढ़ावा देने के लिए उद्योग 4.0, स्टार्टअप संस्कृति को उत्प्रेरित करने के लिए स्टार्टअप इंडिया, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी अवसंरचना परियोजना के लिए पीएम गति शक्ति और उद्योगों को डिजिटल तकनीकी शक्ति प्रदान करने के लिए डिजिटल इंडिया जैसी सफल पहल भारत चतुर्थ औद्योगिक क्रांति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत कारोबार सुगमता के लिए रणनीतिक रूप से और तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस परिप्रेक्ष्य में लोकसभा ने जिस जन विश्वास (प्रावधान संशोधन) विधेयक, 2023 को मंजूरी दी है, वह उद्योग-कारोबार बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा। दरअसल, कई और प्रभावी कारण भारत के टिकाऊ विकास और कारोबार को गतिशील कर रहे हैं। करीब 60 फीसदी तक वृद्धि घरेलू खपत और निवेश के कारण होती है। भारतीय बाजार बढ़ती डिमांड वाला बाजार है। भारत का शेयर बाजार दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा शेयर बाजार है। देश में बढ़ते हुए मध्यम वर्ग की उत्साहवर्धक क्रयशक्ति और देश के स्थिर राजनीतिक नेतृत्व के कारण भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। हमें इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि जीडीपी के मामले में भारत वर्ष 2027 में दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य के साथ-साथ प्रति व्यक्ति आय के मामले में भी ऊंचाई प्राप्त करे। ऐसे में देश की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ आम आदमी की मुट्ठियों में भी अधिक विकास की खुशियां पहुंचते हुए दिखाई दे सकेंगी।

लेखक अर्थशास्त्री हैं।

धार्मिक सद्भाव और सौहार्द की प्रतीक तीर्थ दर्शन योजना

(लेखक-निलय श्रीवास्तव)

धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के कारण मध्यप्रदेश देश भर में अपनी पृथक पहचान स्थापित कर चुका है। विभिन्न धर्म - सम्प्रदाय के लोगों को एक सूत्र में बांधकर रखने का अभिनव प्रयोग सिर्फ मध्यप्रदेश में ही हो रहा है। यहाँ बता दें कि मध्यप्रदेश देश का पहला और एक मात्र ऐसा राज्य है, जो मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में प्रदेश के बुजुर्गों को हवाई जहाज से तीर्थ यात्रा करा रहा है। यह भी सही है कि मध्यप्रदेश के अलावा देश के किसी दूसरे राज्य में ऐसी कोई योजना नहीं है। धर्म में आस्था, विश्वास और सामाजिक सद्भाव को आगे बढ़ाने वाले देश के हृदयस्थल मध्यप्रदेश में ऐसे लोगों की संख्या अधिक है जो तीर्थों का दर्शन करना चाहते हैं। कई बार आथिक समस्या तो कई बार अकेलेपन के कारण तीर्थ स्थल जाने की उनकी इच्छा पूरी नहीं हो पाती। तीर्थ दर्शन योजना धार्मिक सद्भाव की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। जब एक साथ विभिन्न सम्प्रदाय के लोग अपने - अपने इष्ट के दर्शन करने तीर्थ स्थलों के लिए भ्रमण करने जाते हैं तो यह अद्भुत दृश्य सामाजिक सद्भाव तथा भाई - चारे का प्रतीक बन जाता है। इस तरह यह योजना देश के अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय बन गयी है। कई राज्य इसका अनुसरण कर रहे हैं। यहाँ बता दें कि मध्यप्रदेश की पहचान धार्मिक सद्भाव, विभिन्न जाति के लोगों की एकता तथा भाई - चारे के लिए देशभर में स्थापित हो चुकी है। देश का हृदयस्थल होने के साथ अब यह देश के दूसरे राज्यों के लिए आदर्श भी बन गया है। प्रसंगवश बता दें कि हिन्दू धर्म शास्त्रों में ऐसी मान्यता है कि चौथेपन में तीर्थदर्शन करने से इहलोक तो सुधरता ही है परलोक भी सुलभ हो जाता है। सदियों से चली आ रही इस सनातनी परम्परा को मध्यप्रदेश सरकार ने साकार कर दिखाया है। मध्यप्रदेश में हम आज जो तीर्थ दर्शन योजना को फलीभूत होते देख रहे हैं उसके सूत्रधार मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ही हैं। अलग - अलग धर्म सम्प्रदाय के बुजुर्ग मुख्यमंत्री से मिलते और तीर्थ स्थलों की यात्रा करने की अपनी आंतरिक इच्छा व्यक्त करते तब प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री का मन एक ऐसी सरकारी योजना बनाने की तरफ मुखर होता जो वृद्धजनों की इस भावना के अनुरूप हो और इसी चिंतन मनन से मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का प्रारूप तैयार हुआ। फिर इसके बाद वर्ष 2012 में इस योजना को आरम्भ किया गया । योजना के पहले चरण में राष्ट्रीय नेता लालकृष्ण आडवाणी की उपस्थिति में 3 सितम्बर 2012 को पहली ट्रेन रामेश्वरम के लिए रानी कमलापति रेल्वे स्टेशन से रवाना हुई थी। इसके बाद 13 सितम्बर 2012 को जब अजमेर शरीफ के लिए ट्रेन रवाना हुई तब इन दोनों अवसरों पर निर्मित सर्वधर्म सद्भाव देश के समक्ष एक अनुकरणीय उदाहरण बन गया था। इसके बाद देश के विभिन्न धार्मिक स्थलों के लिए यात्रियों को ट्रेनों के माध्यम से भ्रमण कराया गया। याद रहे कि ढाई वर्ष कोरोना संक्रमण के कारण ट्रेन अवरुद्ध रही थीं। इस दौरान योजना पर विराम लगाना पड़ गया था। कोरोना संक्रमण लगभग समाप्त होते - होते तीर्थ दर्शन योजना को अप्रैल 2022 से दौबारा आरम्भ किया गया। उल्लेखनीय उपलब्धि यह है कि तीर्थ दर्शन योजना में अब तक 782 विशेष ट्रेनें चलायीं गयीं हैं। 7 लाख 82 हजार वृद्धजन इन ट्रेनों में यात्रा कर चुके हैं। योजना को मिल रहीं अपार सफलता से सभी उत्साहित हुए। वायुयान से मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का प्रथम चरण भोपाल से प्रयाग राज के लिए विगत् 21 मई को आरम्भ हुआ। वायुयान से तीर्थ यात्रा करवाने का सिलसिला निरंतर चल रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के शब्दों में ''हमारी सरकार ने प्रदेश के बुजुर्गो को हवाई जहाज से तीर्थ - यात्रा कराने का संकल्प लिया था। आज का दिन यह संकल्प पूरा होने और सपने के साकार होने का दिन है। मनुष्य, भौतिक प्रगति के साथ आध्यात्मिक शांति चाहता है। भारत धर्म प्रधान देश है, भक्ति मार्ग में तीर्थ - यात्रा को प्रभु दर्शन का प्रभावी मार्ग माना गया है। हमारे बुजुर्ग बिना कष्ट के कम समय में तीर्थ कर आध्यात्मिक शांति प्राप्त कर सकें इस उद्देश्य से विमान से तीर्थ - यात्रा शुरू की गई है।''

शिवराज सिंह चौहान धर्मप्रेमी और आध्यात्म में रुचि रखने वाले हैं। उन्होंने धार्मिक स्थलों की सुरक्षा रखरखाव पर विशेष ध्यान देकर अपना मुख्यमंत्री होने का उत्तरदायित्व निभाया है। उज्जैन में महाकाल लोक और अब सलकनपुर के देवी मंदिर को सजाया संवारा जा रहा है । इस तरह इन धार्मिक स्थलों के पुनरोद्धार होने से वहाँ पहुँचने वाले लोगों को सुविधा भी पर्याप्त मिल रही है और दर्शनार्थियों की संख्या में बढ़ौतरी भी हो रही है। पर्यटकों का मध्यप्रदेश में भ्रमण भी लगातार बना रहेगा। धर्म हो या अन्य कोई क्षेत्र, अपनी कार्यप्रणाली से शिवराज सिंह चौहान सबके चहेते बन गये हैं। कहीं मामा तो कहीं बड़े भाई के रूप में जब वे आम लोगों के बीच पहुँचते हैं तो लोगों की अपेक्षायें पूरी होने की संभावना प्रबल होती दिखायी देती है। उनके द्वारा चलायी गयीं योजनाओं का अनुसरण देश के कई राज्य कर रहे हैं। यहाँ की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, लाड़ली लक्ष्मी, युवा उघम् क्रांति योजना देश भर में प्रशंसा अर्जित कर रही है। स्वच्छता के बारे में भी मध्यप्रदेश देश में अग्रणी स्थान प्राप्त कर चुका है। किसान कल्याण की फिक्र कर प्राकृतिक आपदा आने पर हुई फसलों के नुकसान की भी भरपाई कर सरकार ने अपना उत्तरदायित्व पूरी क्षमता से निभाया है।

तिरुमाला-तिरुपति बोर्ड का अध्यक्ष बने ईसाई विधायक?

(लेखक-सनत जैन)

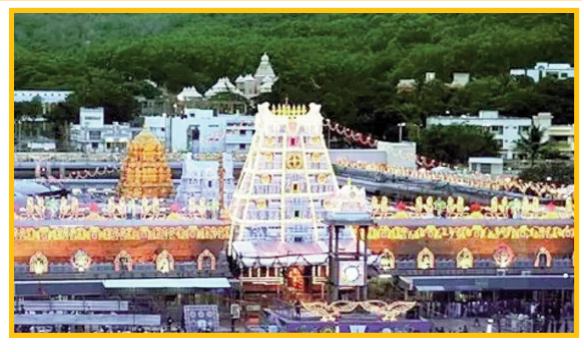

तिरुमाला-तिरुपति बोर्ड का अध्यक्ष, तिरुपति से निर्वाचित विधायक करुणाकरण रेड्डी को बनाया गया है। यह नियुक्ति आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी ने की है।इस नियुक्ति की सूचना मिलने के बाद से ही, बड़ा बवाल मच गया है। चंद्रबाबू नायडू की पार्टी तेलुगू देशम ने प्रदेश भर में इसके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। टीडीपी का कहना है, कि ईसाई धर्म में आस्था रखने वाले करुणाकरण रेड्डी को कैसे तिरुपति बोर्ड का अध्यक्ष बनाया जा सकता है। 2006 में भी करुणाकरण रेड्डी, तिरुपति मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष रहे हैं। उनके सरनेम के कारण लोग उन्हें हिंदू ही मानते थे। जब करुणाकरण की बेटी की शादी ईसाई रीति रिवाज के साथ हुई। उसके बाद लोगों को पता लगा, कि करुणाकरण ने ईसाई धर्म अपना लिया है।आंध्र प्रदेश की राजनीति में इस नियुक्ति के बाद तूफान आ गया है। इस तूफानी विवाद में भारतीय जनता पार्टी के नेता अपना अधिकृत बयान देने से बच रहे है। भाजपा के किसी भी नेता ने अभी तक कोई बयान नहीं दिया है। हो सकता है, दिल्ली सेवा विधेयक को राज्यसभा से पास कराने को लेकर राज्यसभा में मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी के समर्थन की आवश्यकता भाजपा को थी। इस कारण भी भारतीय जनता पार्टी के नेता अपनी चुप्पी साधकर बैठें हुए थे। भाजपा नेताओं का, अब यह कहना है, कि इस दौर में बच्चे अंतर जातिय और अंतर धर्म विवाह कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों के कारण माता-पिता को दंडित क्यों किया जाए। करुणाकरण रेड्डी ने कभी यह नहीं कहा, कि उन्होंने ईसाई धर्म स्वीकार किया है। हां उन्होंने अपनी बिटिया की शादी जरूर ईसाई रीति रिवाज से करने की सहमति दी थी। ईसाई रीति रिवाज से ही उनकी बेटी की शादी हुई है। भाजपा के नेता, अब धर्म को निजता का आधार मानकर बचने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा नेताओं का कहना है, कि बच्चों द्वारा लव मैरिज के दौरान जाति और धर्म का ध्यान नहीं रखा जाता है। धर्म किसी भी व्यक्ति की निजता का मामला है। इसको विवाद का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए। भाजपा के नेता इस मामले में सार्वजनिक बयानबाजी से बच रहे हैं। बातचीत के दौरान वह अपनी निजी राय जरूर जाहिर कर रहे हैं। तिरुमाला-तिरुपति मंदिर भारत का सबसे धनी मंदिर है। इसकी आय भी सबसे ज्यादा है। प्रतिमाह इस संस्थान के करोड़ों रुपए खर्च होते हैं। प्रतिमाह मंदिर को अरबो रुपए की आय होती है। राजनीति में भी इस मंदिर में बैठे हुए पदाधिकारियों को बड़ा लाभ मिलता है। ऐसी स्थिति में तिरुपति मंदिर बोर्ड के अध्यक्ष पद पर हुई नियुक्ति को लेकर जो विवाद उत्पन्न हुआ है। इसके दूरगामी परिणामों से इंकार नहीं किया जा सकता है। टीडीपी ने जो मोर्चा खोला है, निश्चित रूप से राजनीतिक दृष्टि से टीडीपी को लाभ मिलना तय माना जा रहा है। भाजपा जरूर धर्म संकट में फंस गई है। भाजपा के लिए एक और कुआं और दूसरी और खाई है। किस का समर्थन करे, और किस का विरोध करें,यह भाजपा नेताओं को समझ मे नहीं आ रहा है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी ने भी नियुक्ति करते समय यह नहीं सोचा होगा, कि इस निर्णय पर तीव्र प्रतिक्रिया इस रूप में होगी। विधायक करुणाकरण रेड्डी पहले भी तिरुपति बोर्ड में रह चुके थे। वहां के प्रबंधन कार्यप्रणाली से परिचित थे। उस समय उनकी नियुक्ति पर कोई भी विवाद नहीं उठा था। वर्तमान स्थिति में मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी के भी गले में नियुक्ति की फांस फंस गई है। आंध्र प्रदेश में कुछ माह बाद चुनाव होने वाले हैं। इस विवाद का असर विधानसभा चुनाव में पडना तय माना जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी की हिंदुत्व की छवि पर विरोध नहीं किए जाने की दशा में, राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय जनता पार्टी की छवि पर इसका विपरीत असर पड़ना तय माना जा रहा है।

जुलाई 2023 में यात्री वाहनों की बिक्री बढ़कर 3.02 लाख यूनिट हुई

मुंबई । घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की थोक बिक्री जुलाई में सालाना आधार पर 2.94 प्रतिशत बढ़कर 3,02,521 यूनिट हो गई। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने यह जानकारी दी। जुलाई 2022 में विनिर्माताओं द्वारा डीलरों को 2,93,865 यात्री वाहनों की आपूर्ति की गई थी। सियाम के आंकड़ों के अनुसार जुलाई में दोपहिया वाहनों की घरेलू बिक्री घटकर 12,82,054 यूनिट रह गई। जुलाई 2022 में यह 13,81,303 इकाई रही थी। इस दौरान तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री 56,034 इकाई रही, जो एक साल पहले इसी महीने में 31,324 इकाई थी। सियाम ने कहा कि सभी श्रेणियों में कुल वाहन बिक्री 16,40,727 इकाइयां रही, जबकि जुलाई 2022 में यह आंकड़ा 17,06,545 इकाई था। सियाम ने कहा कि कुल मिलाकर हमें उम्मीद है कि सकारात्मक आर्थिक माहौल, बेहतर मॉनसून और आगामी त्योहारों के मद्देनजर वाहन उद्योग को समर्थन मिलेगा।

चीन का वाहन निर्यात पहले स्थान पर

बीजिंग । चीनी राजकीय कस्टम ब्यूरो ने 8 अगस्त को इस साल के पहले सात महीनों में विदेशी व्यापार के आंकड़े जारी किए। निर्यात में इलेक्ट्रॉनिक्स का अनुपात 58.1 प्रतिशत तक बढ़ा। इस साल से चीन में निर्मित वाहनों के निर्यात में बड़ा इजाफा हुआ। इस साल की पहली छमाही में चीन का वाहन निर्यात जापान से आगे निकलकर दुनिया के पहले स्थान पर रहा। चीन दुनिया में सबसे बड़ा कार उत्पादक देश, उपभोग करने वाला देश और निर्यातक देश बना। आंकड़ों के अनुसार इस साल के पहले सात महीनों में चीन ने 27 लाख 78 हजार कारों का निर्यात किया, जो पिछले साल की इसी अवधि से 74.1 प्रतिशत अधिक है। निर्यात का मूल्य 3 खरब 83 अरब 73 करोड़ युआन रहा, जिसकी वृद्धि दर 118.5 फीसदी है।

हीरो मोटोकॉर्प की मुश्किल बढ़ी, एक और मामले की जांच शुरू

नई दिल्ली । दोपहिया वाहन बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी हीरो मोटोकॉर्प की मुश्किलें बढ़ गई हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी के खिलाफ एक और मामले में जांच चल रही है। यह मामला 90 करोड़ रुपए के फर्जी खर्च से जुड़ा है। आरोप है कि इस पर हीरो मोटोकॉर्प ने टैक्स क्रेडिट लिया था। सूत्रों के मुताबिक हीरो मोटोकॉर्प के वेंडर सॉल्ट एक्सपीरियंसेज ने 90 करोड़ रुपए का फर्जी खर्च दिखाया और हीरो मोटोकॉर्प ने इस पर टैक्स क्रेडिट लिया। कंपनी पर करीब 16 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी का संदेह है। सूत्रों के मुताबिक यह जांच डायरेक्ट्रेट जनरल ऑफ गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स इंटेलीजेंस (डीजीजीआई) कर रहा है और दूसरी एजेंसियों की भी इस पर नजर है। इस बारे में हीरो मोटोकॉर्प ने कहा कि कंपनी इस बारे में जल्दी ही एक बयान जारी करेगी। इस बारे में सॉल्ट से संपर्क नहीं हो पाया। डीजीजीआई फाइनेंस मिनिस्ट्री के तहत आता है। इस बारे में फाइनेंस मिनिस्ट्री ने भी ईमेल का जवाब नहीं दिया। पिछले हफ्ते ईडी ने एक अन्य मामले में हीरो मोटोकॉर्प और उसके एग्जीक्यूटिव चेयरमैन पवन कांत मुंजाल के 12 ठिकानों पर छापेमारी की थी। ईडी ने 30 लाख रुपए की एसेट को सीज किया था। यह मामला मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा है। एक सूत्र ने कहा कि सॉल्ट एक्सपीरियंसेज ने कथित कर चोरी के मामले में डीजीजीआई को 12 करोड़ रुपए का भुगतान किया है और मामले की जांच अब भी चल रही है। इस जांच पर ईडी और मिनिस्ट्री ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स समेत दूसरी एजेंसियों की भी नजर है।

सेबी ने शेयर बाजारों में शेयरों के लिस्टिंग की समय सीमा घटाई

नई दिल्ली ।

मार्केट रेग्युलेटर सेबी ने निवेशकों और निर्गम जारी करने वालों के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। नियामक ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बंद होने के बाद शेयर बाजारों में शेयरों के लिस्टिंग होने की समयसीमा घटाकर तीन दिन कर दी है। वर्तमान में यह समयसीमा छह दिन है। सूचीबद्ध होने और कारोबार की समयसीमा कम किये जाने से निर्गम जारी करने वालों के साथ-साथ निवेशकों को भी लाभ होगा। सेबी बोर्ड ने 28 जून की बैठक में ही लिस्टिंग का समय घटाकर 3 दिन करने को मंजूरी दे दी थी। सेबी के इस फैसले से आईपीओ मार्केट में लिस्टिंग की प्रक्रिया तेज होगी और निवेशकों को लिस्टिंग के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा. साथ ही आईपीओ में शेयर अलॉट नहीं होने पर रिफंड भी जल्दी मिल सकेगा। सेबी ने नोटिफिकेशन में कहा कि 1 सितंबर 2023 या उसके बाद आने वाले सभी आईपीओ के लिए लिस्टिंग का समय नए नियम स्वैच्छिक तौर पर लागू होंगे। वहीं 1 दिसंबर 2023 से कंपनियों को अनिवार्य रूप से नियम का पालन करना होगा।

सेबी के अनुसार सार्वजनिक निर्गम के बंद होने के बाद प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता में लगने वाले समय को 6 कार्य दिवस से घटाकर तीन कार्य दिवस (टी + 3 दिन) करने का निर्णय किया गया है।

यहां टी इश्यू बंद होने की अंतिम तारीख है। नियामक ने कहा कि एएसबीए आवेदन राशि को जारी करने में देरी के लिए निवेशकों को क्षतिपूर्ति की गणना टी+3 दिन से की जाएगी। मार्केट के सभी स्टेकहोल्डर्स और पब्लिक कंसल्टेशन के बाद ये फैसला किया गया है। कंपनियों को अपने ऑफर डॉक्यूमेंट में लिस्टिंग की टाइम लाइन की जानकारी देनी होगी।

सब्जियों की कीमतों में जल्द कमी आने वाली है: दास

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक ने आरबीआई पॉ लिसी का ऐलान करते हुए होम, कार लोन समेत तमाम तरह के लोन लेने वालों को बड़ी राहत देते हुए रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है, लेकिन बढ़ती महंगाई पर चिंता व्यक्त की है। मौजूदा समय टमाटर और सब्जियों के दाम आससान छू रहे हैं। टमाटर के दाम 200 के पार कहीं जा चुके हैं तो सब्जी खरीद पाना भी आम लोगों के लिए मुश्किल भरा हो गया है। लेकिन इस बढ़ती महंगाई के बीच आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बयान देते हुए बताया कि कब इससे राहत मिलेगी। दास ने कहा कि सब्जियों की कीमतों में जल्द कमी आने वाली है। सकल मुद्रास्फीति जून में बढ़ी। अब सब्जियों की कीमतों के कारण जुलाई और अगस्त में भी बढ़ने की उम्मीद है। आने वाले दिनों में सब्जियों और चावल की कीमतों के कारण सकल मुद्रास्फीति बढ़ेगी, लेकिन आने वाले महीनों में ये कम हो जाएगी। इसके अलावा गवर्नर ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति मजबूत बनी हुई। कंपनियों की बैलेंस शीट मजबूत है, जिस कारण ग्रामीण मांग में सुधार देखने को मिल रहा है। वैश्विक ब्याज दरें अभीउच्च पर बनी रहेंगी।

अदाणी विल्मर में 44 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की योजना

नई दिल्ली । गौतम अदाणी अपनी एक कंपनी अदाणी विल्मर में बड़ी हिस्सेदारी का सौदा कर सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक गौतम अदाणी अदाणी विल्मर में अपनी 44 फीसदी स्टेक को बेच सकते हैं। अदाणी विल्मर सिंगापुर बेस्ड विल्मर ग्रुप के साथ अदाणी समूह का ज्वाइंट वेंचर है। अदाणी विल्मर की मौजूदा वैल्यू की बात करें तो ये करीब 6.17 अरब डॉलर है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अदाणी विल्मर में गौतम अदाणी की जो 44 फीसदी हिस्सेदारी है उसकी कीमत करीब 2.7 अरब है। हालांकि, रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि कंपनी में हिस्सा बेचने का ये प्लान अभी शुरुआती चरण में है। वहीं इस मामले में अदाणी ग्रुप की ओर से कोई भी आधिकारिक बयान नहीं आया है। ब्लूमबर्ग ने बताया कि भारतीय अरबपति गौतम अदाणी और उनका परिवार बिक्री के बाद व्यक्तिगत क्षमता में अल्पमत हिस्सेदारी बरकरार रख सकते हैं, जबकि विल्मर व्यवसाय में अपनी हिस्सेदारी बनाए रखने का फैसला कर सकते हैं। पिछले हफ्ते अदाणी विल्मर ने पहली तिमाही में नुकसान की सूचना दी थी। वहीं इस साल की शुरुआत में अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा समूह के कॉर्पोरेट प्रशासन पर सवाल उठाए जाने के बाद अदाणी समूह से जुड़े शेयरों का बाजार मूल्य लगभग 147 बिलियन डॉलर कम हो गया है। कंपनी खाद्य तेल, गेहूं का आटा, चावल, दालें और चीनी समेत अन्य जरूरी रसोई से संबंधित प्रोडक्ट्स की बनाने वाली एक एफएमसीजी कंपनी है। इसे जनवरी 1999 में अदाणी समूह और विल्मर समूह के ज्वाइंट वेंचर के रूप में शुरू किया गया था। फिलहाल, कंपनी के भारत के 10 राज्यों में 23 प्लांट हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 307 , निफ्टी 89 अंक गिरा

मुम्बई ।

शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी रहने से आई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीबाई) द्वारा नीतिगत दरों की घोषणा में द्वारा तरलता कम करने के लिए बैंकों को 12 अगस्त से इंक्रीमेंटल सीआरआर को 10 फीसदी तक बनाए रखने के निर्देश लिए गये जिससे भी बाजार पर प्रभाव पड़ा। इसके साथ ही और साप्ताहिक एफएंडा समाप्ति के बीच ही घरेलू इक्विटी बाजार में भी उतार-चढ़ाव रहा।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 307.63 अंक करीब 0.47 फीसदी टूटकर 65,688.18 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 65,956.25 तक ऊपर जाने के बाद 65,509.14 तक गिरा। वहीं इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 89.45 अंक तकरीबन 0.46 फीसदी नीचे के बाद अंत में 19,543.10 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,623.60 तक ऊपर जाने के बाद 19,495.40 तक गिरा

आज के कारोबार में 11 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। इंडसइंड बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाइटन, बजाज फाइनैंस और टेक महिंद्रा सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। इंडसइंड बैंक के शेयर सबसे ज्यादा करीब 1.59 फीसदी तक ऊपर आये। इसके अलावा पावर ग्रिड, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, रिलायंस और विप्रो के शेयर भी उछले हैं।

वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 19 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। एशियन पेंट्स, कोटक बैंक, आईटीसी, भारती एयरटेल और एक्सिस बैंक

सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले पांच शेयर रहे। एशियन पेंट्स के शेयर सबसे ज्यादा करीब 2.89 फीसदी गिरे।

इससे पहले आज सुबह गिरावट के रुख के साथ खुले। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 235.99 अंक गिरकर 65,759.82 पर आ गया। वहीं निफ्टी 64.2 अंक के नुकसान से 19,568.35 अंक पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स के शेयरों में एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, आईटीसी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, नेस्ले और भारती एयरटेल नुकसान में रहे।एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड, मारुति और महिंद्रा एंड महिंद्रा लाभ में रहे। अन्य एशियाई बाजारों में जापान का निक्की लाभ में था। विदेशी बाजारों की बात करें तो चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में थे। इससे पहले गत दिवस अमेरिकी बाजार गिरावट पर बंद हुए थे।

अब कर्ज लेने वालों को मिलेगा निश्चित ब्याज दर व्यवस्था चुनने का विकल्प: आरबीआई

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक कर्ज लेने वाले लोगों को परिवर्तनशील (फ्लोटिंग) ब्याज दर से निश्चित (फिक्स्ड) ब्याज दर का विकल्प चुनने की अनुमति देने की योजना बना रहा है। जिससे मकान, वाहन और अन्य कर्ज लेने वाले लोगों को थोड़ी राहत मिलेगी, क्योंकि ऐसे ग्राहक ही ऊंची ब्याज दरों से सबसे अधिक प्रभावित हैं। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा बैठक के नतीजों की जानकारी देते हुए कहा कि इसके लिए एक नया ढांचा तैयार किया जा रहा है। इसके तहत ऋणदाताओं को कर्ज लेने वाले ग्राहकों को ऋण की अवधि तथा मासिक किस्त (ईएमआई) के बारे में स्पष्ट जानकारी देनी होगी। रिजर्व बैंक द्वारा की गई पर्यवेक्षी समीक्षा और लोगों से मिली प्रतिक्रिया में कई बार उधार लेने वालों की सहमति तथा उचित संवाद के बिना फ्लोटिंग रेट कर्ज की अवधि को अनुचित रूप से बढ़ाने के कई उदाहरण सामने आए। उन्होंने कहा कि इससे निपटने के लिए कर्ज लेने वालों के समक्ष पेश हो रही समस्याओं के समाधान के लिए एक उचित आचरण ढांचा स्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया,

जिसका सभी विनियमित संस्थाओं द्वारा पालन किया जाए। दास ने कहा कि इसमें अवधि या मासिक किस्त में किसी तरह के बदलाव के लिए कर्ज लेने वालों के साथ स्पष्ट रूप से संवाद करना होगा। कर्ज लेने वाले ग्राहकों को निश्चित (फिक्स्ड) दर का विकल्प चुनने की अनुमति दी जाएगी।उन्होंने कहा कि इस संबंध में विस्तृत दिशानिर्देश जल्द जारी किए जाएंगे।

कंपनी ने शानदार इलेक्ट्रिक कार से उठाया पर्दा

- कोरोना के कारण इसके डेब्यू में हो गई देरी

नईदिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा ग्रुप की स्वामित्व वाली कंपनी ऑटोमोबीली पीनीनफारीना ने अपनी पूरा विजन कॉन्सेप्ट को पेश कर दिया है। कंपनी ने साल 2019 में इस कार की घोषणा की थी और साल 2020 में इससे पर्दा उठाया जाना था। लेकिन कोरोना के कारण इसके डेब्यू में देरी हो गई। कार के पिछले हिस्से में सीट्स के अलावा वाइन बॉटल होल्डर और ग्लॉस होल भी दिया गया है। इसके बड़े ग्लास विंडो और गलविंग डोर कार के केबिन को पर्याप्त रोशनी प्रदान करते हैं। पूरा विजन कॉन्सेप्ट की लंबाई 5,215 मिमी, चौड़ाई 2,147 मिमी और उंचाई 1,641 मिमी है। इसमें कंपनी ने ऑल इलेक्ट्रिक पावरट्रेन सेटअप दिया है। पूरा विजन कॉन्सेप्ट का इंटीरियर बेहद शानदार है। इसकी फ्रंट सीट के बीच आर्म रेस्ट मिलता है। इसके डैशबोर्ड पर शानदार ट्रचस्क्रीन इंफोटेंमेंट सिस्टम मिलता है। दोनों फ्रंट सीट्स को सेंट्रल कंसोल से डिवाइड किया गया है। इस इलेक्ट्रिक कार में कुछ चार लोग बैठ सकते हैं।

श्रीराम ग्रुप के फाउंडर ने कर्मचारियों में बांट दी 6,000 करोड़ की संपत्ति

- कंपनी के शेयरों ने इस साल 35 फीसदी से अधिक की छलांग लगाई

नई दिल्ली ।

श्रीराम ग्रुप के फाउंडर आर त्यागराजन ने अपने छोटे से घर और 5 हजार डॉलर की कार को छोड़कर लगभग सारी संपत्ति कुछ कर्मचारियों को दान में दे दी है। आर त्यागराजन दुनिया के विलक्षण फाइनेंसरों में से एक हैं। एक साक्षात्कार में 86 वर्षीय के त्यागराजन ने कहा कि मैंने 750 मिलियन डॉलर (करीब 6 हजार करोड़ रुपये) का दान दिया है, लेकिन यह कोई नई बात नहीं है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि यह दान कब दिया है। भारत की प्रमुख नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनी (एनबीएफसी) में से एक श्रीराम ग्रुप ट्रकों, ट्रैक्टरों और अन्य व्हीकल के लिए भारत के गरीबों को लोन देने में अग्रणी है। इस ग्रुप ने बीमा से लेकर स्टॉक ब्रोकिंग तक 1,08,000 लोगों को रोजगार दिया है। समूह की फ्लैगशिप कंपनी के शेयरों ने इस साल 35 फीसदी से अधिक की छलांग लगाकर जुलाई में एक रिकॉर्ड बनाया, जो भारत के बेंचमार्क स्टॉक इंडेक्स से चार गुना अधिक है।अब त्यागराजन 86 वर्ष के हो चुके हैं और एक सलाहकार की भूमिका में आ गए हैं। त्यागराजन ने बताया कि उन्होंने इंडस्ट्री में यह साबित करने के लिए प्रवेश किया कि बिना क्रेडिट हिस्ट्री या बिना रेगुलर इनकम वाले लोगों को लोन देना उतना जोखिम भरा नहीं है जितना माना जाता है। त्यागराजन आरटी के नाम से मशहूर हैं। उन्होंने चेन्नई में श्रीराम ग्रुप की स्थापना 1974 में की थी। त्यागराजन का मानना है कि गरीबों को लोन देना समाजवाद का एक रूप है। उन्होंने कहा कि मैं थोड़ा सा वामपंथी हूं, लेकिन मैं उन लोगों के जीवन से कुछ बुरा खत्म करना चाहता हूं जो समस्याओं में उलझे हुए हैं। गरीबों को ऋण देना समाजवाद का एक रूप है।

रिजर्व बैंक ने रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरुवार को लगातार तीसरी बार नीतिगत दर रेपो को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। रेपो रेट में किसी तरह का बदलाव नहीं होने का फायदा बैंक से लोन लेने का प्लान कर रहे ग्राहकों को मिलेगा। अभी बैंकों की तरफ से किसी भी तरह के लोन पर ब्याज दर नहीं बढ़ाई जाएगी। यदि आरबीआई की तरफ से रेपो रेट में इजाफा किया जाता है तो इसका असर ग्राहकों को मिलने वाले लोन पर पड़ता। अब मकान, वाहन समेत विभिन्न कर्जों पर मासिक किस्त (ईएमआई) में कोई बदलाव नहीं होगा। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को भी 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। वहीं चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए मुद्रास्फीति के अनुमान को बढ़ाकर 5.4 प्रतिशत कर दिया है। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की मंगलवार से शुरू हुई तीन दिन की बैठक में किए गए निर्णय की जानकारी देते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि समिति ने सभी परिस्थितियों में गौर करने के बाद रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने का फैसला किया है। रेपो वह ब्याज दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपनी फौरी जरूरतों को पूरा करने के लिए केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। आरबीआई ने जून और अप्रैल

की पिछली मौद्रिक नीति समीक्षा बैठकों में भी रेपो दर में बदलाव नहीं किया था। इससे पहले, मुख्य रूप से मुद्रास्फीति को काबू में लाने के लिये पिछले साल मई से लेकर कुल छह बार में रेपो दर में 2.50 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी।

आरबीआई ने जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को 6.5 फीसदी पर बरकरार रखा

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने अपने मुद्रास्फीति के अनुमान को बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत से 5.4 प्रतिशत कर दिया है। टमाटर और अन्य सब्जियां महंगी होने की वजह से रिजर्व बैंक ने मुद्रास्फीति के अनुमान में बढ़ोतरी की है।

रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि घरेलू स्तर पर आर्थिक गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं। दास ने कहा कि खरीफ की बुवाई और ग्रामीण मांग में सुधार तथा सेवाओं में तेजी और उपभोक्ता भरोसा बढ़ने से परिवारों के उपभोग को समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा कि हालांकि, कमजोर वैश्विक मांग, वैश्विक वित्तीय बाजारों में अस्थिरता, भूराजनीतिक तनाव परिदृश्य के लिए जोखिम हैं। इन सब कारकों को ध्यान में रखकर मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का अनुमान है कि 2023-24 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 6.5 प्रतिशत रहेगी। पहली तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर आठ प्रतिशत, दूसरी में 6.5 प्रतिशत, तीसरी में 6 प्रतिशत और चौथी में 5.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। अगले वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। महंगाई के बारे में दास ने कहा कि टमाटर और अन्य सब्जियां महंगी होने से निकट भविष्य में मुख्य मुद्रास्फीति पर दबाव रहेगा। हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि बाजार में नई फसल की आवक शुरू होने के साथ स्थिति में सुधार होगा।

यूपीआई से जुड़े नियमों में हुआ बदलाव, ट्रांजेक्शन लिमिट बढ़ी

नई दिल्ली ।

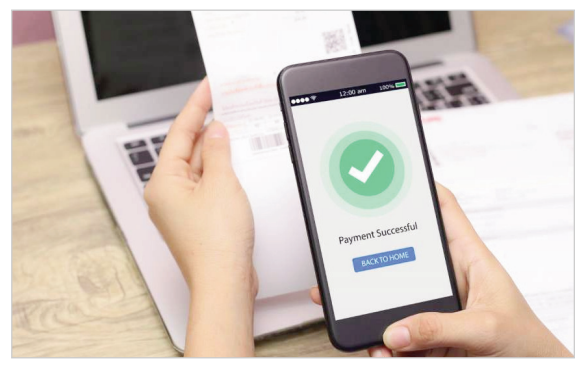

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में यूपीआई से जुड़े भी बड़े फैसले लिए गए हैं। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने अपने स्टेटमेंट में इस बारे में जानकारी दी।

आरबीआई ने यूपीआई लाइट पर ट्रांजेक्शन लिमिट को बढ़ा दिया गया है। वहीं जल्द ही ऑफलाइन पेमेंट्स की सुविधा भी लायी जाएगी। आरबीआई गवर्नर ने यूपीआई पेमेंट्स को बढ़ाने के लिए कई उपायों की घोषणा की है। इनमें यूपीआई लाइट पर ट्राजेक्शन लिमिट को 200 रुपए से बढ़ाकर 500 रुपए करना भी शामिल है।

दास ने यह भी कहा कि जल्द ही यूपीआई के जरिए ऑफलाइन पेमेंट्स की सुविधा को भी लाया जाएगा। साथ ही यूपीआई प्लेटफॉर्म पर कन्वर्सेशनल पेमेट्स की सुविधा भी शुरू की जाएगी। इस तरह आरबीआई की इस एमपीसी बैठक में यूपीआई से जुड़ी तीन घोषणाएं हुई हैं। पहला यूपीआई पर कन्वर्सेशनल पेमेंट्स की सुविधा लाई जाएगी। यूपीआई पर ऑफलाइन पेमेंट्स की सुविधा होगी। तीसरी-यूपीआई लाइट पर ट्रांजेक्शन लिमिट को 200 रुपए से बढ़ाकर 500 रुपए किया गया है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि साल 2023-24 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति यानी खुदरा महंगाई दर के 5.4 फीसदी पर रहने का अनुमान है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में खुदरा महंगाई के 6.2 फीसदी, तीसरी तिमाही में 5.7 फीसदी, चौथी तिमाही में 5.2 फीसदी और वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 5.2 फीसदी रहने का अनुमान है।

एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी हॉकी के सेमीफाइनल में भारत और जापान का मुकाबला आज

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम शुक्रवार को एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी (एसीटी) में जापान से होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन कर फाइनल में जगह बनाने के इरादे से उतरेगी। पिछले मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ मिली शानदार जीत से भारतीय टीम के हौंसले बुलंद हैं। भारतीय टीम का लक्ष्य सेमीफाइनल में जापान के खिलाफ आक्रामक रणनीति अपनाकर हावी रहना रहेगा। अब तक इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम अजेय रही है। राउंड रॉबिन चरण में चार मैच जीतकर और एक ड्रा खेलकर भारतीय टीम अंक तालिका में शीर्ष पर है। इसके बाद भी भारतीय टीम जापान को हल्के में नहीं लेना चाहेगी। इसका कारण है कि जापान को भी अब तक इस टूर्नामेंट में हार नहीं मिली है। दोनों टीमों के बीच लीग चरण का मैच भी 1-1 से बराबरी पर रहा था हालांकि अगर विश्व रैंकिंग की बात की जाए तो दोनों टीमों के बीच काफी बड़ा अतर है जिसमें भारतीय चौथे और जापान 19वें स्थान पर है। ऐसे में इस मैच में भारतीय टीम को जीत का प्रबल दावेदार मानना जा रहा है।

इसके बाद भी भारतीय टीम जापान को कम नहीं आंकेगी। इसका कारण है कि ढाका में 2021 चरण के सेमीफाइनल में उसे जापान से ही 3-5 से हार का सामना करना पड़ा था जबकि राउंड रॉबिन चरण में उसने उसपर 6-0 से जीत हासिल की थी। भारतीय टीम ने ने अभी तक टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 20 गोल किए हैं पर जापान के खिलाफ लीग मैच में खिलाड़ियों ने गोल करने के अवसर गंवा दिए थे। इसलिए अब भारतीय टीम को जापान के खिलाफ कल होने वाले मुकाबले में अपनी खराब 'फिनिशिंग को बेहतर करन होगा। भारतीय टीम जापान के खिलाफ लीग मैच में 15 पेनल्टी कॉर्नर में से केवल एक को ही भुना पायी थी। इसलिए अब सेमीफाइनल में मेजबान टीम को कोई गलती नहीं करनी होगी। पाकिस्तान पर भारत की 4-0 की जीत के बाद कोच ने कहा कि उनकी टीम के लिए मैच के चारों क्वार्टर में निरंतरता बरकरार रखना अहम होगा। फुल्टन ने कहा, ''हमने पाक के खिलाफ हर क्वार्टर में अच्छी निरतंरता दिखाई जो हमने जापान के खिलाफ लीग मैच के दौरान 1-1 से ड्रा रहे मैच में भी दिखायी थी। उस मैच में हमने जापान की तुलना में प्रत्येक क्वार्टर में सर्कल के अंदर काफी ज्यादा बार हमले किये थे। हम अपनी इसी निरंतरता को बनाये रखने का प्रयास करेंगे। भारतीय टीम के उप कप्तान और मिडफील्डर हार्दिक सिंह का भी मानना है कि जापान के खिलाफ अधिक से अधिक गोल करने के लिए 'बॉक्स के अंदर पहुंचकर शॉट लगाने के

अलावा अधिक संयम रखने की भी जरूरत रहेगी। उन्होंने कहा, 'हमें इसी लय के जारी रखने की उम्मीद है। लेकिन हमें फिर भी बॉक्स के अंदर अधिक संयम की जरूरत होगी, जो बहुत ही अहम हिस्सा है। साथ ही हमें खेल की लय भी तय करनी होगी। जहां तक जापान की बात उसने पाक के मुकाबले बेहतर गोल अंतर से सेमीफाइनल में जगह बनाई है। टूर्नामेंट में उसके प्रदर्शन की बात की जाए तो उसका प्रदर्शन इतना प्रभावी नहीं रहा क्योंकि टीम केवल एक जीत ही हासिल कर पाई और एक मैच में उसके हार का सामना करना पड़ा है जबकि उसके दो मैच बराबरी पर रहे।

नेशनल बैंक ओपनः शीर्ष रैंकिंग पर काबिज इगा स्वियातेक ने कैरोलिना प्लिस्कोवा को हराया

मांट्रियल। (एजेंसी)। शीर्ष रैंकिंग पर काबिज टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने पहले सेट में मिली चुनौती से पार पाते हुए नेशनल बैंक ओपन के दूसरे दौर कैरोलिना प्लिस्कोवा को 7-6 (6), 6-2 से शिकस्त दी। अब स्वियातेक का सामना 14वीं वरीय कैरोलिना मुचोवा से होगा जिन्होंने सोराना क्रिस्टी पर 7-5, 6-4 से जीत हासिल की। स्वियातेक इस साल फ्रेंच ओपन के फाइनल में मुचोवा को हरा चुकी हैं। रात्रि सत्र में दूसरी रैंकिंग की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने पेट्रा मार्टिच को 6-3, 7-6 (5) से पराजित किया।

विम्बलडन चैम्पियन और नौंवी वरीय मार्केटा वोंद्रोयूसोवा ने कैरोलिन वोज्नियाकी को 6-2, 7-5 से शिकस्त दी और अब उनकी भिड़ंत छठी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ से होगी जिन्होंने पिछले हफ्ते वाशिंगटन में अपना चौथा करियर खिताब जीता था। तीसरी वरीयता प्राप्त एलिना रिबाकिना ने जेनिफर ब्रैडी को 6-7(3), 7-6(5), 6-3 से, चौथी वरीय जेसिका पेगुला ने यूलिया पुतिंतसेवा को 6-4, 6-4 से और 10वीं वरीय दारिया कसातकिना ने अन्ना ब्लिंकोवा को 6-2, 7-5 से हराया। सातवीं वरीय और 2012 की विजेता पेत्रा क्विंतोवा भी अगले दौर में जगह बनाने में सफल रही, उन्होंने 2021 की चैम्पियन कैमिला जियार्जी को 6-2, 5-7, 6-0 से मात दी।

अंतिम बार विश्वकप खेलते दिखेंगे रोहित, विराट और जडेजा

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम में कप्तान रोहित शर्मा, अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली सहित कई खिलाड़ी 35 के करीब पहुंचने जा रहे हैं। ऐसे में ये विश्वकप इन खिलाड़ियों का अंतिम विश्वकप होगा। 35 साल के कप्तान रोहित की फिटनेस को लेकर हमेशा से सवाल खड़े होते रहे हैं। वह चाहेंगे कि भारत विश्व विजेता बने और इसके साथ ही उनकी कैबिनेट में एक और आईसीसी ट्रॉफी आ जाए। वह 2007 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। 2019 में उन्होंने इंग्लैंड में खूब रन बनाये थे। इस बार भी उनसे वैसे ही प्रदर्शन की उम्मीदें हैं

वहीं पूर्व कप्तान विराट कोहली विश्व के सबसे फिट खिलाड़ियों में शामिल हैं वह भी 35 वर्ष के होने जा रहे हैं। ऐसे में अगला विश्वकप खेलना उनके लिए भी संभव नहीं है। ऐसे में माना जा रहा है कि युवाओं को अवसर देने वह आगे नहीं खेलेंगे। वैसे भी जिस प्रकार युवा खिलाड़ी सामने आ रहे हैं। उससे अनुभवी खिलाड़ियों के लिए टीम में बने रहना मुश्किल होता जा रहा है। इसके अलावा रविंद्र जडेजा भी अभी 34 वर्ष के हैं। ऐसे में अगले विश्वकप तक उनकी उम्र भी अधिक हो जाएगी ओर ऐसे में उनके लिए भी ये अंतिम विश्वकप होगा। वह तीनों फॉर्मेट खेलते हैं और इसके अलावा आईपीएल भी है। टीम इंडिया में जिस प्रकार अक्षर पटेल सहित कई अन्य ऑलराउंडर सामने आ रहे हैं ऐसे में जडेजा का आगे खेलना संभव नहीं है। इसके अलावा अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और स्पिन आर अश्विन भी 35 साल के हो गये हैं और ऐसे में अगले विश्वकप तक ये दोनो ही चालीस के करीब पहुंच जाएंगे और इसलिए इनका टीम में रहना संभव नहीं लगता।

एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल जीत सकती है भारतीय महिला टीम : राजेश्वरी गायकवाड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी राजेश्वरी गायकवाड़ को लगता है कि राष्ट्रमंडल खेलों में गोल्ड मेडल से चूकने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम अगले महीने चीन के हांगझोउ में होने वाले एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करेगी।

दरअसल, पिछले साल भारतीय टीम बर्मिंघम में महिला क्रिकेट ने राष्ट्रमंडल खेलों में डेब्यू किया था। जिसमें टीम गोल्ड जीतने से चूक गयी थी। उसे फाइनल में आस्ट्रेलिया से हार मिली थी। वहीं हाल के वर्षों में टीम को बड़े टूर्नामेंट के तीन फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय महिला टीम ने आईसीसी (आईसीसी) की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के आधार पर सीधे एशियाई खेलों के क्वार्टरफाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

इस दौरान बायें हाथ की स्पिनर गायकवाड़ ने पीटीआई से बात करते हुए कहा कि, निश्चित रूप से हम एशियाई खेलों में गोल्ड जीतेंगे। उन्होंने कहा, ''हम सभी बड़ी प्रतिद्वंद्वी टीमों के खिलाफ खेल चुके हैं, लेकिन हम उसके बारे में सोचते नहीं रह सकते, हमें अपनी टीम पर भरोसा है, हम गोल्ड जीत सकते हैं।''

बता दें कि, राजेश्वरी गायकवाड़ भारत के पिछले

दौरे (बांग्लादेश के खिलाफ) पर टीम का हिस्सा नहीं थीं। जिसमें टीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज 2-1 से जीती जबकि वनडे सीरीज में 1-1 से बराबर रहीं। गायकवाड़ ने कहा, ''मैं बांग्लादेश दौरे के दौरान रिहैबिलिटेशन में थी और आराम कर रही थी। ऐसा नहीं था कि मुझे टीम से बाहर किया गया था।'' भारत के लिए दो टेस्ट, 64 वनडे और 55 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी स्पिनर इस समय महिला प्रीमियर लीग की टीम यूपी वारियर्स के भारतीय खिलाड़ियों के लिये लगे सत्र से इतर के शिविर में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा, ''हमने शिविर में काफी अच्छा काम किया है। हमें किसी विशेष विभाग पर काम करने की जरूरत नहीं है लेकिन उन विभागों में सुधार कर सकते हैं जिसमें हम बेहतर कर सकते थे और हमारा ध्यान सिर्फ इसी पर लगा है।''

गायकवाड़ ने कहा, ''हमारा ध्यान सभी विभागों में सुधार करने पर है, जिसमें फील्डिंग, बल्लेबाजी और गेंदबाजी शामिल है। विशेषकर बल्लेबाजों ने अपने स्ट्रोक्स पर काम करने की कोशिश की है।

विम्बलडन खिताब के बाद पहले मैच में अल्काराज ने शेल्टन को हराया

टोरंटो-विम्बलडन खिताब जीतने के बाद पहला मैच खेल रहे शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने नेशनल बैंक ओपन के दूसरे दौर में बेन शेल्टन को 6-3, 7-6 से मात दी। अमेरिकी ओपन में खिताब का बचाव करने की तैयारी में जुटे अल्काराज ने क्वींस खिताबी जीत से अब तक लगातार 13 मैच जीत लिये हैं, अब उनकी भिड़ंत तीसरे दौर में 15वीं वरीयता प्राप्त हुबर्ट हुर्काक्ज से होगी जिन्होंने मियोमीर केसमानोविच पर 5-7, 6-3, 6-0 से जीत हासिल की। एंडी मरे ने मैक्स पुर्सेल पर 7-6 (2), 3-6. 7-5 से जीत दर्ज की। अब तीन बार के विजेता मरे का सामना यानिक सिनर से होगा। दूसरे वरीय दानिल मेदवेदेव ने दोपहर के सत्र में माटियो अर्नाल्डी को 6-2, 7-5 से पराजित किया। शीर्ष पांच वरीय खिलाड़ियों में से तीन बाहर हो चुके हैं। गेल मोंफिल्स ने चौथे वरीय स्टेफानोस सिटसिपास को 6-4, 6-3 से हराकर उलटफेर किया जबकि मार्कोस गिरोन ने होल्गन रूने को 6-2, 4-6, 6-3 से मात देकर बाहर किया।

भारतीय टीम में वापसी नहीं, काउंटी में बेहतर प्रदर्शन पर है मेरा ध्यान : पृथ्वी

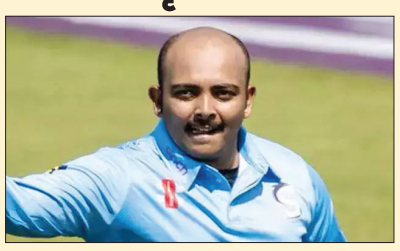

लंदन । टीम इंडिया से बाहर चल रहे युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ आजकल काउंटी क्रिकेट में छाये हुए हैं। पृथ्वी ने यहां शानदार दोहरा शतक लगाया है। इस बल्लेबाज ने रॉयल लंदन वन-डे कप में समरसेट के खिलाफ 153 गेंदों में ही 244 रन बनाकर पहले के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। पृथ्वी ने लिस्ट ए क्रिकेट में अब तक की सबसे बड़ी पारी खेलकर दर्शकों को हैरान कर दिया। नॉर्थम्पटनशायर की ओर से खेलते हुए उन्होंने 28 चौके और 11 छक्के लगाये। पृथ्वी की इस पारी से नॉर्थहैम्पटनशायर ने 50 ओवरों में ही आठ विकेट पर 415 रन बनाए और समरसेट को 87 रनों से हरा दिया। पृथ्वी लंबे समय से टीम से बाहर हैं और उम्मीद की जा रही है कि अग वह इसी प्रकार कांउटी में खेलेंगे तो शीघ्र ही उनकी भारतीय टीम में वापसी हो सकती है। पृथ्वी ने अंतिम बार जुलाई 2021 में भारतीय टीम की ओर से खेला था। वहीं इस बल्लेबाज ने कहा कि वह वह भारतीय टीम में अपनी वापसी के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहे हैं और इसके जगह इंग्लैंड में खेल का आनंद ले रहे हैं। उन्हें यहां अपने खेल को बेहतर बनाना है। इस युवा बल्लेबाज ने कहा, निश्चित रूप से अनुभव। मैं वास्तव में यह नहीं सोच रहा हूं कि भारतीय चयनकर्ता क्या सोच रहे होंगे, लेकिन मैं बस यहां अच्छा समय बिताना चाहता हूं, यहां के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के साथ अच्छा समय बिताना चाहता हूं। नॉर्थम्पटनशायर ने मुझे अच्छा अवसर दिया है। वे मेरी देखभाल कर रहे हैं। मैं वास्तव में इसका आनंद ले रहा हूं।

एशिया कप 2023: एशिया कप 2023 में टीम इंडिया की जर्सी पर लिखा जाएगा 'पाकिस्तान'

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप 2023 की मेजबानी पाकिस्तान और श्रीलंका करेंगे। वहीं मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एशिया कप के दौरान पहली बार ऐसा होगा जब भारतीय टीम की जर्सी पर पाकिस्तान का नाम लिखा जाएगा। दरअसल, 30 अगस्त से शुरू होने वाले एशिया कप के 4 मैच पाकिस्तान में जबकि अन्य मुकाबले श्रीलंका में खेले जाएंगे। जबकि टूर्नामेंट का मेजबान इस बार पाकिस्तान है।

टीम इंडिया की जर्सी पर 'पाकिस्तान' नाम

टीम इंडिया टूर्नामेंट के सभी मैच श्रीलंका में खेलेगी। हालांकि, पाकिस्तान एशिया कप का मुख्य होस्ट है इसलिए टीमों को अपनी जर्सी पर पाकिस्तान का नाम

लिखवाना हो सकता है। यही कारण है कि भारत टीम की जर्सी पर पाकिस्तान का नाम लिखा जा सकता है। वहीं टीम इंडिया की जर्सी में पाकिस्तान एशिया कप के लोगो के ठीक नीचे होगा। हालांकि, अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। एशिया कप में भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 2 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ करेगी।

वहीं भारत और पाकिस्तान के बीच ये महामुकाबला श्रीलंका के कैंडी में खेला जाएगा। इस मैच को लेकर हाउसफुल स्टेडियम की उम्मीद की जा रही है। भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप स्टेज के अलावा सुपर-4 के चरण में भी एक मुकाबला देखने को मिल सकता है। अगर दोनों टीमें सुपर-4 के लिए क्वालिफाई कर लेती हैं तो दोनों के बीच एक और मुकाबला देखने को मिल सकता है। सुपर-4 के अलावा दोनों के बीच फाइनल में भी भिड़ंत हो सकती है।

जबकि एशिया कप का पहला मुकाबला पाकिस्तान और नेपाल के बीच मुल्तान में खेला जाएगा। इसके बाद बांग्लादेश और श्रीलंका खेला जाएगा। इसके अलावा फाइनल मुकाबला भी श्रीलंका में खेला जाएगा।

जुवेंटस की जर्सी में नजर आयीं अभिनेत्री ईशा

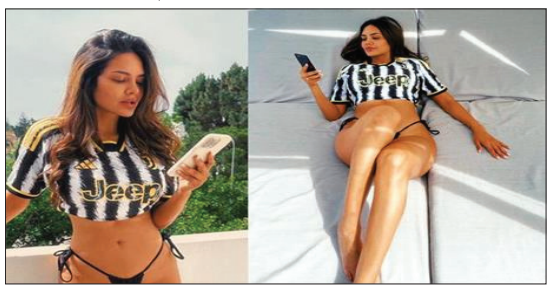

मुम्बई । बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा गुप्ता आजकर इटली में छुट्टियां मना रही हैं। इसी दौरान सोशल मीडिया पर एक वीडियो आया है। इसमें ईशा फुटबॉल क्लब जुवेंटस की जर्सी में नजर आ रही हैं। उन्होंने इसे काले रंग की बिकनी बॉटम के साथ जोड़ा था। वह तस्वीर में बेहद आकर्षक नजर आ रही हैं। इसके अलावा बिना मेकअप और बिना जूलरी वाला उनका लुक भी खूबसूरती को बढ़ा रहा है। ईशा ने यह तस्वीर फीफा महिला विश्व कप शुरू होते के समय जारी की थी। उन्होंने लिखा था, मेरे दिमाग में हर जगह जुवेंटस क्लब है, अब सभी इस फीफा महिला विश्व कप के लिए तैयार हैं। ईशा की इस पोस्ट पर बढ़ी तादाद में कमेंट आए हैं। वहीं सात लाख से ज्यादा लोगों ने उनकी तस्वीर को लाइक भी किया।

रिनोवेशन के दौरान ईडन गार्डन में लगी आग

कोलकाता । एकदिवसीय विश्वकप के आयोजन स्थलों में से एक कोलकाता के ईडन गार्डन स्टेडियम में बुधवार रात को अचानक ही आग लग गयी। इससे वहां रख सामान को भी काफी नुकसान हुआ। फायर ब्रिगेड ने काफी प्रयासों के बाद आग पर नियंत्रण किया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चला है पर माना जा रहा है कि शॉट सर्किट के कारण ऐसा हुआ है। ईडन गार्डन में विश्वकप के पांच मैच खेले जाने हैं। जिसमें एक सेमीफाइनल मुकाबला भी है। गौरतब है कि विश्वकप को देखते हुए बीसीसीआई ने गत दिनों सभी 10 आयोजन स्थलों के सुधार और उन्हें बेहतर बनाने के लिए करोड़ों की राशि आवंटित की थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पहली मंजिल पर स्थित ड्रेसिंग रूम में देर रात आग लगी। इस दौरान रिनोवेशन का काम कर रहे कर्मचारियों ने तत्काल सुरक्षा गार्डों को इस बारे में जानकारी दी। जिसके बाद फायर ब्रिगेड को जानकारी दी गयी। फायर ब्रिगेड की 2 गाड़ियों ने आधे घंटे के प्रयास के बाद ही आग पर काबू पाया। तब तक स्टोर रूम में बड़ा नुकसान हो गया था। यहां रखे कई सामान जल गए जिसमें खिलाड़ियों का सामान भी था। ईडन गार्डन में सेमीफाइनल सहित 5 मुकाबले खेले जाएंगे।

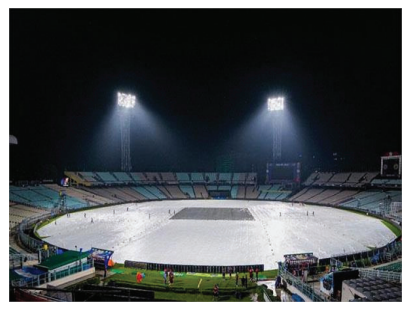

2011 विश्वकप फाइनल में धोनी ने सबसे महंगे बल्ले से की थी बल्लेबाजी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अपने अलग अंदाज के लिए जाने जाते हैं। साल 2011 विश्वकप फाइनल में धोनी ने छक्का लगाकर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी। तब धोनी ने एक शानदार पारी खेलकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी पर क्या आप जानते हैं इस मैच में धोनी ने जिस बल्ले से खेला था उसकी कीमत क्या थी ? एक रिपोर्ट के अनुसार ये सबसे महंगा बल्ला था और इसकी कीमत एक लाख रुपये थी जबकि आमतौर पर बल्लों की कीमत 4000 रुपये से 10,000 रुपए तक होती है। धोनी की कप्तानी में टीम इंडिया ने दो विश्व कप जीते है। इसमें एक 2007 टी 20 विश्व कप और फिर 2011 एकदिवसीय विश्व कप। एकदिवसीय विश्व कप में उन्होंने विश्व के सबसे महंगे क्रिकेट बल्ले से खेला था। 2011 विश्वकप में धोनी ने जो बल्ला उपयोग में लाया था वह अंग्रेजी विलो से बना था और इसकी कीमत लगभग एक लाख रुपए थी। धोनी के इस बल्ले को बाद में चैरिटी संस्था के लिए नीलाम कर दिया गया था। जिसमें ये 83 लाख रुपए में बिका था। धोनी के इस बल्ले को ईस्ट मीट्स वेस्ट चैरिटी डिनर नाम की एक चैरिटी संस्था के लिए नीलामी में रखा गया था और तब आरके ग्लोबल शेयर एंड सिक्योरिटीज लिमिटेड ने इसे 100,000 पाउंड (तकरीबन 83 लाख रुपये) से अधिक में खरीदा था।

विश्व चैंपियनशिप : निशिमोतो से भिड़ेंगे किदांबी, सिंधु को मिला बाई

कुआला लंपुर (एजेंसी)। बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप के पहले राउंड में भारत की अनुभवी शटलर पीवी सिंधु को बाई दिया गया है, जबकि किदांबी श्रीकांत जापान के केंता निशिमोतो के खिलाफ अभियान की शुरुआत करेंगे। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने गुरुवार को ड्रॉ आयोजित होने के बाद इसकी पुष्टि की। कुल 16 भारतीय शटलर ड्रॉ का हिस्सा थे, जिनमें से चार एकल स्पर्धाओं में भाग लेंगे।

केवल एचएस प्रणय और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी की जोड़ी को शीर्ष 10 में वरीयता दी गयी है। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट सिंधु (16वीं वरीयता प्राप्त) दूसरे राउंड से अपने अभियान की शुरुआत करेंगी जहां उनका मुकाबला जापान की नोज़ोमी ओकुहारा और वियतनाम की थुए लिन्ह नुयेन में से किसी एक से भिड़ेंगी। दूसरी वरीयता प्राप्त और पिछले संस्करण के कांस्य पदक विजेता सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को भी बाई मिली है।

विश्व की नंबर दो पुरुष युगल जोड़ी दूसरे दौर में आयरलैंड के जोशुआ मैगी/पॉल रेनॉल्ड्स या ऑस्ट्रेलिया के केनेथ झे हूई चू/मिंग चुएन लिम से भिड़ेगी। भारत के एचएस प्रणय, लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत की स्टार तिकड़ी पुरुष एकल में देश का प्रतिनिधित्व करेगी। पहले दौर में नौवीं वरीयता प्राप्त प्रणय का मुकाबला फिनलैंड के काले कोलजोनेन से होगा, जबकि 11वीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य का मुकाबला मॉरीशस के जॉर्जेस जूलियन पॉल से होगा।

महिला युगल प्रतियोगिता में 15वीं वरीयता प्राप्त त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी पहले राउंड में बाई मिलने के बाद दूसरे राउंड में चीनी ताइपे की चांग चिंग हुई/यांग चिन तुन या एस्टोनिया की केटी-क्रीट मरान/हेलिना रूटेल से भिड़ेगी। अश्विनी भट्ट के. और शिखा गौतम की दूसरी भारतीय महिला युगल जोड़ी नीदरलैंड की देबोरा जिल और चेरिल सेनेन के खिलाफ क्वालीफिकेशन के लिए लड़ेगी।

रोहन कपूर और एन सिक्की रेड्डी की मिश्रित युगल जोड़ी को पहले चरण में स्कॉटलैंड के ऐडम हॉल और जूली मेकफ़र्सन से भिड़ना होगा। इसी प्रतियोगिता में वेंकट प्रसाद और जूही देवांगन जर्मनी के जोन्स रैल्फी जैनसेन और लिंडा एफ्लर से भिड़ेंगे। बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप का 28वां संस्करण 21 से 27 अगस्त के बीच डेनमार्क के कॉपेनहैगन में खेली जायेगी। इस प्रतियोगिता की पांच अलग-अलग श्रेणियों में 55 देशों के 375 शटलर हिस्सा लेंगे।

ऑस्ट्रेलिया को विश्वकप के लिए सबसे प्रबल दावेदार मानते हैं अश्विन

नई दिल्ली । टीम इंडिया के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन का मानना है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम काफी अच्छी है और वह एकदिवसीय विश्वकप कप जीतने की एक बड़ी दावेदार है। विश्वकप भारत में पांच अक्टूबर से शुरु होगा। इसमें भारतीय टीम का पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से 8 अक्टूबर को होगा। यह मुकाबला चेन्नई में खेला जाएगा। विश्वकप को लेकर अब तक कई दिग्गजों ने भविष्यवाणी की है। उसी कड़ी में अब अश्विन का मानना है कि है ऑस्ट्रेलियाई टीम सबसे बड़ी दावेदार नजर आ रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बारिश में हो रही है खुजली और इंफेक्शन की समस्या तो इन आदतों को जल्द सुधारें

बारिश के मौसम में स्किन इन्फेक्शन का खतरा काफी बढ़ जाता है। साथ ही बारिश में भीगने के बाद कई लोगों को त्वचा संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। ह्यूमिडिटी के कारण ऑयली स्किन से लेकर स्किन रैशेज तक कई समस्या होती हैं। कई लोगों को त्वचा में जलन और खुजली की भी परेशानी होती है। इन समस्या को नज़रंदाज़ करने पर समस्या काफी बढ़ सकती है। बारिश में बैक्टीरिया बढ़ने के कारण स्किन इन्फेक्शन काफी तेज़ी से फैलता है। अगर आप भी इस मौसम में खुजिल, जलन या स्किन इन्फेक्शन की समस्या से परेशान है तो आपको इन टिप्स को ज़रूर फॉलो करना चाहिए...

बॉडी को अच्छे से सुखाएं

बारिश में उमस काफी रहती है जिसके कारण नहाने या बारिश में भीगने के बाद हमारी बॉडी काफी लंबे समय तक गीली रहती है। स्किन इन्फेक्शन से बचने के लिए अपनी त्वचा को अच्छे से सुखाएं। स्किन में नमी के कारण बैक्टीरिया ज्यादा समय तक रहते हैं जिससे इन्फेक्शन का खतरा बढ़ता है। बारिश में भीगने के बाद आप अपनी त्वचा को अच्छे से सुखा लें।

भीगने के बाद हाथ-पैर धो लें

बारिश के पानी में कई तरह के बैक्टीरिया मौजूद होते हैं। साथ ही वातावरण के कारण भी इन्फेक्शन का खतरा काफी होता है। अगर आप बारिश में भीग गए हैं तो घर आकर नहाएं या हाथ-पैर धो लें। आप साबुन या डिटॉल के पानी से भी नहा सकते हैं। ऐसा करने से स्किन इन्फेक्शन का खतरा काफी कम हो जाएगा।

हलके सूती कपड़े पहनें

सर्दी और गर्मी के मौसम में हमे फैब्रिक की समझ रहती है लेकिन बारिश में हम किसी भी प्रकार के कपड़े पहनते हैं। बारिश में पॉलिएस्टर के कपड़ों के कारण स्किन इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। बारिश में हलके सूती कपड़े पहनने की कोशिश करें। साथ ही इस मौसम में ज्यादा टाइट कपड़े न पहनें।

सूखे अंडरगारमेंट्स पहने

बारिश में अंडरगारमेंट्स आसानी से सूखते नहीं है। साथ ही अंडरगारमेंट्स सूखने के बाद भी इनमें नमी रह जाती है. ऐसे में कई लोग गीले या नमी वाले अंडरगारमेंट्स पहन लेते हैं। गीलापन के कारण त्वचा में इन्फेक्शन, रैशेज और बैक्टीरिया का खतरा बढ़ जाता है। अंडरगारमेंट्स अगर गीले हैं तो आप हेयर ड्रायर या आयरन की मदद से सुखा सकते हैं।

टॉवल साफ़ रखें

स्किन इन्फेक्शन से बचने के लिए सबसे ज़रूरी टॉवल साफ़ करना है। टॉवल बारिश में आसानी से सूखती नहीं है जिसके कारण उसमें फंगस लगने की संभावना ज्यादा रहती है। इसलिए नियमित रूप से अपनी टॉवल को साफ़ करते रहें। गीली टॉवल के इस्तेमाल से बचें। धूप में टॉवल सुखाने की कोशिश करें।

कंजक्टिवाइटिस आई फ्लू फैल रहा है तेजी से, जानें बचने के उपाय

कंजक्टिवाइटिस आंखों की एक बीमारी है, जिसे आंख आना या आंखों का गुलाबी होना कहा जाता है। इस रोग में आंखें सुर्ख लाल होकर सूज जाती है। उसमें पानी आने लगता है और खुजली होने लगती है। यह बीमारी एक वायरल रोग है, जो इंफेक्शन के कारण एक-दूसरे में आ जाती है। अत- जो भी व्यक्ति बार-बार आंख को रगड़ते हैं, उन्हें बैक्टीरियल इंफेक्शन हो जाता है और उसमें से पस जैसा डिस्चार्ज आने लगता है। साथ ही आंख आने वाले व्यक्ति की आंख में देखने से भी कंजक्टिवाइटिस फैलता है। इस संक्रमण में आंखों में दर्द, जलन और आंखों में कुछ रेत की तरह चुभने का अहसास भी होता है।

कंजक्टिवाइटिस से बचने के उपाय

- कंजक्टिवाइटिस के दौरान साफ-सफाई का ध्यान रखें।
- आंखें आने पर बाहर धूप में निकलने पर आंखें दुखने लगती हैं अत- सनग्लासेज पहन कर ही घर से बाहर निकलें।
- दिनभर में कई बार साफ पानी से आंखों को धोएं।
- आई ड्रॉप्स को आंखों में डालने के पहले और दवाई डालने के बाद भी अपने हाथ धोएं।
- जिस व्यक्ति कंजक्टिवाइटिस का इंफेक्शन है, उससे दूरी बनाए रखें।
- यदि घर में किसी को आंखों का इंफेक्शन है, तो उसका तकिया, तौलिया आदि कोई भी चीजें किसी दूसरे के साथ शेयर न करें।
- यदि नेत्र रोग विशेषज्ञ आपको एंटिबायोटिक ड्रॉप या मलहम लगाने की सलाह देते हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि दवा का नोजल आंखों तथा पलकों पर टच न हो, इससे भी दूसरी आंख में कंजक्टिवाइटिस इंफेक्शन फैलाने का खतरा बढ़ जाता है।
- कंजक्टिवाइटिस का संक्रमण हाथों के जरिए भी फैल सकता है। अत- घर के सदस्यों तथा स्कूली बच्चों को एक-दूसरे के नजदीक न आने दें।
- कंजक्टिवाइटिस रोग से ग्रसित व्यक्ति से हाथ न मिलाएं।
- अगर घर में किसी एक बच्चे को इंफेक्शन है तो घर या स्कूल के दूसरे बच्चों के उसके संपर्क में आने पर उन्हें भी यह हो जाता है।

बारिश में बच्चों को डायरिया से कैसे बचाएं?

बारिश का मौसम बहुत सुहाना होता है लेकिन ये सुहानी बारिश कई खतरनाक बीमारियों को भी लेकर आती है। बारिश में सर्दी, बुखार और जुखाम की समस्या आम होती है। लेकिन इसके साथ ही डायरिया का खतरा भी बारिश के मौसम में बढ़ जाता है। बारिश के पानी में जेर्म्स व बैक्टीरिया होने के कारण पेट की समस्या होने लगती है। **कई बार बारिश के मौसम में बहार का न खाने पर भी पेट की समस्या हो जाती है। इस मौसम में इम्युनिटी कमजोर हो जाती है। ऐसे में बच्चों को भी बारिश के मौसम** में सतर्क रहने की ज़रूरत है।

ऐसे बचाएं बच्चों को डायरिया से

- **बच्चों को डायरिया से बचाने के लिए उन्हें घर में प्रवेश करते समय हाथ धोने को कहें।**
- **खाने से पहले भी उन्हें हाथ धोने या sanitize करने की लिए कहें।**
- **बच्चों को स्ट्रीट फूड का सेवन न करने दें।** बारिश में स्ट्रीट फूड से डायरिया का खतरा बढ़ता है।
- **बच्चों को जमे और गंदे पानी से न खेलने दें।** इससे जेम्स का खतरा अधिक होता है।
- हमेशा बच्चों को RO **या उबला हुआ पानी ही पिलाएं।**
- **डायरिया से बचने के लिए घर में सफाई रखें और मक्खी व कॉकरोच जैसे कीड़ों को** न आने दें।

डायरिया से बचने के लिए इन चीज़ों का सेवन करें

- **दही, छाछ, लस्सी पीने से दस्त की समस्या से राहत मिलती है।** दही में गुड बैक्टीरिया होते हैं जो आंतों के लिए जरूरी हैं जिससे पेट में ऐंठन, मरोड़ दूर हो जाती है।
- **डायरिया से बचने के लिए आप जीरे के पानी का सेवन करें।** आप 1 से आधा चम्मच जीरा या जीरा पाउडर लें। इसके बाद इसे **अच्छे से पानी में उबाल लें। इसको छान** कर ठंडा होने बाद पी लें।
- केला, उबला आलू, अनार, अंगूर, संतरा आदि फल-सब्जी का सेवन करें। सादा खाना खाएं जैसे दलिया, खिचड़ी आदि खा सकते हैं।
- आप बच्चों को नारियल व नींबू पानी भी पिलाएं। नींबू पानी में विटामिन ष्होता हा जिससे बच्चों की इम्युनिटी बेहतर होगी।

अगर आपके बच्चे को डायरिया हो या उसके लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से इलाज करवाएं। डॉक्टर की सलाह के बिना कोई भी दवाई न लें।

डायरिया के लक्षण

- पतला मल आना
- उल्टी होना
- शरीर में पानी की कमी होना
- पेट में सूजन व ऐंठन होना
- बार-बार बुखार आना
- मल के साथ खून आना
- भूख न लगना
- पेट में ऐंठन होना

विटामिन बी 12 कम होने से क्या होता है?

विटामिन बी 12 की कमी से थकान, शरीर में दर्द, चक्कर आना, कमजोरी महसूस होती है। जी हां, यह सच है कि कभी-कभी नींद पूरी होने के बाद भी सुबह उठने पर यदि आपको थकान महसूस होती है और शारीरिक रूप से थका होने के कारण किसी भी कार्य में मन नहीं लगता है। ऐसा महसूस होता होता है कि जैसे चक्कर आ रहे हैं, बॉडी पेन, कमजोरी महसूस हो रही और किसी भी कार्य पर पूर्णरूप से ध्यान नहीं दे पा रहे हैं तो इस बीमारी की जड़ विटामिन बी 12 हो सकती है। जानते हैं विटामिन बी 12 कम होने पर क्या लक्षण नजर आते हैं।

- पूरे शरीर में दर्द महसूस होना
- दिनभर थकान लगना
- सिर दर्द होना
- वजन तेजी से गिरना
- भूख नहीं लगना
- बेहोशी जैसा लगना, बेहोशी महसूस होना, सिर घूमना
- दिल की धड़कन तेज होना
- किसी भी कार्य में मन न लगना
- कुछ भी काम करने का मन न करना
- एनीमिया से पीड़ित होना।

आदि लक्षण विटामिन बी 12 की कमी से हो सकते हैं। यदि आप भी कुछ ऐसा ही महसूस करते हैं तो इसके लिए आपको अपने दिनचर्या में डेयरी प्रोड्क्ट, पनीर, अंडा, चुकंदर, दही, ब्रोकली, ओट्स, मछली, मिट, चिकन आदि को अपने खान-पान में शामिल करना चाहिए।

पपीता खाने के हैरान करने वाले फायदे

पपीता एक ऐसा फल है, जिसे कच्चा और पका हुआ दोनों ही तरह से खाया जाता है। पपीता एक पौष्टिक और रसीला फल हैं, जिससे हमें कई विटामिन प्राप्त होते हैं। इसके नियमित उपयोग से शरीर में कभी विटामिन्स की कमी नहीं होती। वैसे तो पपीता अधिकतर लोगों को पसंद होता है और वे इसे खाना भी पसंद करते हैं। लेकिन आपको बता दें कि डायबिटीज के रोगियों को प्रतिदिन पपीता खाने से बचना चाहिए या फिर डॉक्टर की सलाह के बाद ही इसे खाना उचित रहता है।

पपीता पेप्सिन प्राप्त करने का एकमात्र साधन है। इसमें पेप्सिन नामक तत्व पाया जाता है, जो बहुत ही पाचक होता है। यह खासकर उन स्थितियों में भोजन को पचाने में मदद करता है, जब आपका पाचन तंत्र भोजन को पचाने के लिए पर्याप्त मात्रा में एंजाइम का निर्माण नहीं करता है। अत- यह हमारे शरीर के लिए अतिलाभदायी होता है। यदि आप भी नियमित रूप से एक माह तक पपीते का सेवन करते हैं तो इसके आपको हैरान करने वाले फायदे मिलते हैं।

- पपीता खाने से त्वचा व नेत्र स्वस्थ रहते हैं।
- पपीता कब्ज और कफ के रोग में लाभदायी है।
- पपीता पेट एवं आंत संबंधी रोगों में बहुत लाभदायक है, क्योंकि पपीते का रस प्रोटीन को आसानी से पचाने मददगार माना गया है।
- बच्चों की वृद्धि और रोगों से बचाने के लिए उन्हें विटामिन ए की अधिक आवश्यकता रहती है, जो कि उन्हें पपीता से मिलती है।
- पपीता हृदय रोग, नाड़ियों तथा पेशियों की क्रिया ठीक रखने में सहायता करता है।
- पपीते का सेवन वात शमन करके अपावायु को शरीर से बाहर करता है।
- विटामिन ए पपीते में अधिक मात्रा में पाया जाता हैं, जो कि हमारी त्वचा एवं आंखों के लिए बहुत आवश्यक होता है। अत- यह त्वचा को स्वच्छ, स्वस्थ और इसकी ग्लोइंन बनाए रखने में लाभकारी है।
- पपीते में कैल्शियम अच्छी मात्रा में होने के कारण यह रक्त और तंतुओं के निर्माण सहायक है।
- पपीता गरिष्ठ पदार्थों या भोजन को आसानी से पचाता है।
- पपीता से हमें पाचक तत्व का एकमात्र प्राकृतिक स्त्रोत पेप्सिन तथा विटामिन ए, बी, सी, डी के अलावा आयरन, फॉस्फोरस, एंटीऑक्सीडेंट्स, पोटेशियम, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम और कैरोटीन भी अच्छी मात्रा में मिलता है। अत- बार-बार सर्दी और खांसी से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए पपीते का नियमित सेवन काफी लाभकारी होता है, क्योंकि इससे आपका इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है।

एक इलायची रोज खा ली तो होंगे 3 फायदे

इलायची भारतीय रसोई में उपयोग में आने वाला एक महत्वपूर्ण मसाला है। यदि आपको सेहत के फायदे चाहिए तो आप इलायची का इस्तेमाल आपके भोजन का स्वाद बढ़ाने के साथ ही रोज खाने में भी करें, यानी कि 1 इलायची आप प्रतिदिन खाएं, आपको इलायची खाने बेहतरीन फायदे भी मिलेंगे।

- यदि आप एक इलायची का सेवन करते हैं तो आपके गले की खराश, गले की सूजन और बैठी हुई आवाज में लाभ होगा। इसके लिए आपको सुबह उठने के बाद एक छोटी इलायची चबा-चबाकर खाकर गुनगुना पानी पीना चाहिए।
- यदि आपके मुंह से दुर्गंध आती है तो इलायची चबाना एक अच्छा उपाय है। क्योंकि इलायची से जहां मुंह की बदबू दूर होगी। वहीं इसके अन्य कई फायदे भी आपको मिलेंगे।
- यदि आपको बार-बार मुंह में छाले होते हैं तो आप इलायची के पाउडर में पिसी मिश्री मिलाकर खाएं, लाभ होगा। इसके अलावा आपका जी मचलाना, खांसी, बदहजमी आदि में इसका फायदा होगा।

फर्जी कागजात के सहारे नेपाल में घुसे 24 भारतीय, मांग रहे थे भीख

काठमांडू । नेपाल में घुसे 24 भिखारियों को पुलिस ने हिरासत में लेकर वापस भारत भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने फर्जी दस्तावेज रखने और खुद को प्राकृतिक आपदा का शिकार बताने वाले 12 नाबालिगों सहित भारत के 24 भिखारियों को हिरासत में लिया। इसके बाद पुलिस ने जांच करने के बाद उन्हें वापस भारत भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, राजस्थान से ताल्लुक रखने वाले सभी 24 लोगों को भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र के नेपाल की तरफ वाले इलाके बिर्तामोड की सड़कों पर भीख मांगते हुए हिरासत में लिया गया। पुलिस ने बताया कि वे हाथों में छह महीने के बच्चे समेत कई छोटे बच्चों को लेकर अलग-अलग बहाने बनाकर पैसे के लिए भीख मांग रहे थे। पुलिस के मुताबिक, उनके पास फर्जी दस्तावेज थे और उन्होंने दावा किया कि वे भारत में प्राकृतिक आपदा के पीड़ित हैं और आपदा की वजह से उन्होंने अपना घर बार खो दिया। पुलिस ने बिर्तामोड़ नगर निगम की मदद से पता लगाया कि वे बिर्तामोड़ बुसपार्क में एक किराए के कमरे में समूहों में रह रहे थे। पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर पुलिस की गाड़ी से कांकड़भित्ता इलाके में मेची पुल पर सीमा की दूसरी तरफ छोड़ दिया।

ब्रिटिश सिख शेफ हरदीप सिंह कोहली रिहा

लंदन । यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार ब्रिटिश सिख शेफ हरदीप सिंह कोहली को रिहा कर दिया गया है। यह जानकारी पुलिस ने दी। जांच के अनुसार, 54 वर्षीय कोहली पर 20 से अधिक महिलाओं ने हिंसक और यौन रूप से अनुचित व्यवहार का आरोप लगाया है। स्कॉटलैंड पुलिस ने कहा, हाल ही में यौन अपराधों के आरोप गिरफ्तार कोहली को बाद में अदालत में पेश होने के वादे पर रिहा कर दिया गया है। कोहली के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों की ताजा शिकायतें सामने आने के बाद पुलिस ने पिछले महीने जांच शुरू की। रिपोर्ट दी थी कि लेबर पार्टी की एक पूर्व अधिकारी ने आरोप लगाया था कि सोशल मीडिया पर संपर्क करने के बाद कोहली ने उन पर अवांछित यौन टिप्पणियां कीं। कोहली ने मुझे फ़ोन कर सेक्स के बारे में बात करने लगा। मैंने उससे कहा कि मैं सहज महसूस नहीं कर रही हूं लेकिन उसने यह समझाने की कोशिश की कि मेरे साथ कुछ गड़बड़ है, क्योंकि मैं उसके साथ सेक्स चैट में शामिल नहीं होना चाहती थी। कोहली ने पिछले महीने अपना एक्स प्रोफ़ाइल हटा दिया था, क्योंकि महिलाओं ने इस मंच का इस्तेमाल, उन पर यौन रूप से अनुचित व्यवहार का आरोप लगाने के लिए किया था। पंजाब के अप्रवासी माता-पिता के घर लंदन में जन्मे, कोहली ने बीबीसी और अन्य प्रसारकों के लिए कई कार्यक्रम प्रस्तुत किए, और सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के 2006 संस्करण में उपविजेता रहे। कोहली ने 2009 में एडिनबर्ग फ्रिंज में कॉमेडी में कदम रखा, जहां उन्होंने मंच पर करी पकाते हुए वन-मैन शो का प्रदर्शन किया।

इक्वाडोर में राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवार की गोली मारकर हत्या

वाशिंगटन । साउथ अमेरिकी देश इक्वाडोर से बड़ी खबर आ रही है। इक्वाडोर के आगामी राष्ट्रपति चुनाव में एक उम्मीदवार की गोली मारकर हत्या की गई हैं। देश की नेशनल असेंबली के सदस्य और राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार फर्नांडो विलाविसेंशियो पर उत्तरी शहर क्विटो में बीच कैंपेन में हमला किया गया। टीम के सदस्य ने बताया कि विलाविसेंशियो एक कार में बैठ रहे थे, तभी एक व्यक्ति आगे बढ़ा और उनके सिर में गोली मार दी। विलाविसेंशियो को तीन बार गोली मारी गई और बंदूकधारी घटनास्थल से भागने में सफल रहा। राष्ट्रपति चुनाव का पहला दौर 20 अगस्त को होना है। मामले में राष्ट्रपति गुइलेर्मो लासो ने कहा कि हत्यारे को बख्शा नहीं जाएगा। लासो ने कहा, 'उनकी स्मृति और उनकी लड़ाई के लिए, मैं आपको आश्वासन देता हूं कि यह अपराध बख्शा नहीं जाएगा, लासो ने कहा, 'संगठित अपराध बहुत आगे बढ़ गए हैं, लेकिन कानून का सारा भार उन पर पड़ेगा। लासो ने कहा कि वह एक जरूरी बैठक में शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों की मेजबानी करुंगा। इक्वाडोर में ड्रग कार्टेल के हिंसक अपराध में वृद्धि हुई है। पिछले महीने, संगठित अपराध से जुड़ी कई हत्याओं के बाद लासो ने तीन प्रांतों में आपातकाल और रात्रि कर्फ्यू की घोषणा की थी। सुरक्षा के साथ-साथ विलाविसेंशियो का कैंपेन भ्रष्टाचार से निपटने पर केंद्रित था, उन्होंने एक पत्रकार के रूप में अपने पहले करियर में इस मुद्दे को कवर किया था, और पर्यावरण विनाश को कम करने पर भी उनका पूरा फोकस था।

समुद्र में जहाज के दुर्घटनाग्रस्त होने से 3 बच्चों सहित 41 लोगों की मौत

रोम । इटली के लैम्पेडुसा द्वीप के पास बड़े हादसे की खबर है। यहां समुद्र में जहाज के दुर्घटनाग्रस्त होने से 3 बच्चों सहित 41 लोगों की मौत हुई हैं। इस हादसे में जीवित बचे लोगों के बयान के बाद ये मामला सामने आया। हादसे में बचे लोगों ने कहा कि वे बहुत मुश्किल से किसी तरह लैम्पेडुसा पहुंचे। ये हादसा बीते हफ्ते, मध्य भूमध्य सागर में हुआ था। ये लोग ट्यूनीशिया से छोटे जहाज में सवार होकर इटली के लिए निकले थे। जीवित बचे लोगों के मुताबिक ट्यूनीशिया के स्फैक्स से 45 लोग एक छोटे जहाज पर सवार होकर इटली के लिए रवाना हुए थे। लेकिन कुछ ही घंटों में जहाज पलट गया और उसमें सवार 41 लोगों की मौत हो गई।

फ्रांस में दिव्यांगजनों के विश्राम गृह में लगी आग, 11 की मौत

पेरिस । फ्रांस में दिव्यांगजनों के एक विश्राम गृह में आग लग गई, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई। बचाव अभियान के प्रमुख ने यह जानकारी दी। फ्रांस की प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बोर्न ने ट्वीट कर कहा कि वह घटनास्थल के लिए रवाना हो रही हैं। हौट-राइन क्षेत्र के स्थानीय प्रशासन ने कहा कि विंटज़ेनहेम शहर में दिव्यांगजनों के विश्राम गृह में सुबह करीब साढ़े छह बजे आग लग गई, जिसके बाद 17 लोगों को वहां से निकाला गया, जिनमें गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया। फ्रांस के अग्निशमन विभाग ने दमकल की चार गाड़ियों के साथ 76 कर्मियों को मौके पर तैनात किया गया, जिन्होंने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने घटना पर एक ट्वीट में कहा, इस हादसे के मद्देनजर मेरी संवेदनाएं मृतकों, घायलों और उनके परिवारों के साथ हैं। हमारे सुरक्षा बलों और आपातकालीन सेवाओं को धन्यवाद।

ब्रिटेन के शाही परिवार में भी होते हैं झगड़े, फेंकते हैं एक दूसरे पर बर्तन

लंदन । आम परिवारों में तो लड़ाई-झगड़े होते ही हैं, लेकिन आपको बता दें कि ब्रिटेन के शाही परिवार में भी यह प्रचलन में है। यहां तक कि प्रिंस विलियम और केट के बीच बर्तन फेंकने तक की नौबत आती है। इस बात का लेखक टॉम क्विन ने दावा किया है कि लोगों की नजर में प्रिंस विलियम और केट मिडलटन एक आदर्श कपल लगते हैं, लेकिन असलियत यह है कि महल के दरवाजों के पीछे वे लड़ते-झगड़ते हैं। टॉम क्विन ने बताया कि यह लड़ाई मामूली नहीं होती, वे एक दूसरे पर सामान भी फेंकते हैं। लेखक ने अपनी नई किताब 'गिल्डेड यूथ- एन इंटिमेट हिस्ट्री' में शाही जोड़ों की लड़ाई के बारे में लिखा है। लेखक ने बताया कि दुनिया के किसी भी अन्य विवाहित जोड़े की तरह, दोनों के बीच लड़ाई होती है। उनके स्वभाव के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि दोनों भले ही शांत दिखें, लेकिन विलियम बहुत गुस्सैल हैं। हालांकि केट बहुत शांत दिखती हैं। लेकिन यह हमेशा सच नहीं होता। प्रिंस विलियम टकराव से बचते हैं, लेकिन जल्दी ही वह क्रोधित भी हो जाते हैं। इसका एक उदाहरण हैरी की किताब में देखने को मिलता है। हालांकि केट बहुत ही शांतचित हैं, जिसके चलते टकराव नहीं बढ़ता। प्रिंस विलियम और केट मिडलटन के रिश्ते में कुछ आकर्षक पहलू भी हैं। लेखक ने दावा किया कि केट प्यार से विलियम को बेब कहकर बुलाती है और वह कुछ और नामों से भी उनको पुकारती हैं। जिनमें 'बेबीकिंस' और चिढ़ाने वाला 'डचेस ऑफ डूलिटल' शामिल है। वे एक-दूसरे का मजाक भी उड़ाते हैं, खासकर जब प्रिंस विलियम के पतले बालों की बात आती है। टॉम क्विन के अनुसार, केट मिडलटन उन्हें प्यार से 'गंजा' कहकर चिढ़ाती थीं।

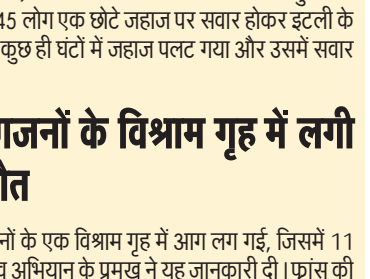

नोर्वे में डोका नदी में आई बाढ़ के बाद पूरे इलाके में पानी भर गया।

सनकी तानाशाह किम जोंग उन ने सेना के शीर्ष जनरल को किया बर्खास्त

सियोल । उत्तर कोरिया ने युद्ध का आह्वान कर दिया है, इसके लिए सनकी तानाशाह किम जोंग उन ने सेना के शीर्ष जनरल को बर्खास्त कर दिया है। अब यहां पर पूरी तरह से युद्ध की तैयारी की जहा रही है। बताया जा रहा है कि सनकी तानाशाह ने युद्ध की संभावना के बीच देश में अधिक से अधिक हथियारों के उत्पादन में वृद्धि करने और सैन्य अभ्यास का विस्तार करने का आह्वान किया है। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि किम जोंग ने केंद्रीय सैन्य आयोग की एक बैठक में यह टिप्पणी की, जिसमें उत्तर कोरिया के दुश्मनों को रोकने के लिए जवाबी कदमों की योजना पर चर्चा की गई। हालांकि, दुश्मनों का नाम नहीं बताया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार तानशाह ने जनरल स्टाफ प्रमुख पाक सु इल की जगह जनरल री योंग गिल को सेना का शीर्ष जनरल नामित किया है। हालांकि, यह नहीं बताया गया है कि जनरल री रक्षा मंत्री के रूप में भी अपनी भूमिका में बरकरार रहेंगे या नहीं। हलांकि रिपोर्ट में विवरण दिए बिना कहा गया है कि किम जोंग ने हथियार उत्पादन क्षमता के विस्तार का लक्ष्य भी रखा है। पिछले सप्ताह उन्होंने हथियार कारखानों का दौरा किया था, जहां उन्होंने अधिक मिसाइल इंजन, तोपखाने और अन्य हथियार बनाने का आह्वान किया था। जारी तस्वीरों में किम को मानचित्र पर सियोल और दक्षिण कोरियाई राजधानी के आसपास के इलाकों की ओर इशारा करते हुए दिखाया गया है। इधर संयुक्त राज्य अमेरिका ने उत्तर कोरिया पर यूक्रेन में युद्ध के लिए रूस को हथियार मुहैया कराने का आरोप लगाया है, जिसमें तोपखाने के गोले, रॉकेट और मिसाइलें शामिल हैं।

चीनी नौसेना से निपटने भारत की शरण में आए क्वॉड देश और फ्रांस

-मलक्का से घेरेंगे सबमरीन और युद्धपोत, कंबोडिया के खिलाफ अंडमान से रचेंगे चक्रव्यूह

बीजिंग (एजेंसी)। क्वॉड देश और फ्रांस को डराने के लिए चीन ने भले ही अपने युद्धपोत हिंदमहासागर में उतार दिए हैं, लेकिन कंबोडिया के नेवल बेस को ध्वस्त करने के लिए भारत की ओर से अंडमान में विशालकाय व्यूह रचना तैयार कर ली है, ताकि ड्रेगन को तुरंत जवाब दिया जा सके। बताया जा रहा है कि चीनी ड्रैगन की नौसेना ने दक्षिण चीन सागर के बाद अब हिंद महासागर में भी पैर पसारना शुरू कर दिया है। चीन के महाविनाशक युद्धपोत और किलर पनडुब्बियां अब हिंद महासागर के चक्कर लगा रहे हैं। यही नहीं चीन ने हिंद महासागर के प्रवेश द्वार पर कंबोडिया में विशाल नेवल बेस बना लिया है। चीन की बढ़ती दादागिरी से निपटने के लिए अब क्वॉड देश और फ्रांस भारत की शरण में आ गए हैं। क्वॉड देश और फ्रांस अब अंडमान और निकोबार द्वीप को सैन्य किले के रूप में विकसित करने में भारत की मदद कर रहे हैं। दरअसल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह मलक्का स्ट्रेट के पास स्थित हैं जो चीन की दुखती रग है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इंडोनेशिया से सटा मलक्का स्ट्रेट काफी संकरा है और इसी वजह से चीन की सबमरीन को ऊपर आने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

चीन की नौसेना को घेरने के लिए मलक्का स्ट्रेट सबसे मुफीद जगह बन गया है। यही वजह है कि चीन अक्सर खौफ में रहता है और यही वजह है कि उसे कंबोडिया में नौसैनिक अड्डा बनाना पड़ा है। दुनिया की फैक्ट्री चीन का अरबों डॉलर का व्यापार मलक्का स्ट्रेट के जरिए होता है। लेकिन चीन को हमेशा डर बना रहता है कि भारत और पश्चिमी देश उसे मलक्का स्ट्रेट में घेर सकते हैं। गौरतलब है कि अमेरिका का नेवल बेस डियागो गार्सिया भी हिंद महासागर में स्थित है। यहां परमाणु बॉम्बर से लेकर पनडुब्बियां तक तैनात रहती हैं। इसी मलक्का दुविधा से बचने के लिए चीन अब पाकिस्तान के रास्ते जमीनी रास्ता भी बना रहा है ताकि उसे अरब सागर तक सीधी पहुंच मिल जाए।

इधर भारत भी चीन की बढ़ती दादागिरी से निपटने के लिए अंडमान निकोबार में तीनों ही सेनाओं की कमान बना चुका है। अंडमान निकोबार द्वीप समूह में कुल 572 द्वीप हैं और हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन को रोकने के लिए रणनीतिक रूप से बेहद अहम है। इस महीने ही क्वॉड सदस्य देश जापान के मिसाइलों से लैस घातक डेस्ट्रायर समीदरे ने अंडमान निकोबार की राजधानी पोर्ट ब्लेयर का दौरा किया था। इस दौरे का उद्देश्य अपने सहयोगी देशों के साथ दोस्ती बढ़ाना था।

तीन दिन पहले भंग हुई पाकिस्तान की संसद, आम चुनाव का रास्ता साफ

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की संसद को निर्धारित कार्यकाल के तीन दिन पहले ही भंग कर दिया गया। अब यहां आम चुनाव का रास्ता साफ हो गया है। जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सलाह पर राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने संसद के निचले सदन 'नेशनल असेंबली को उसके पांच साल के संवैधानिक कार्यकाल की समाप्ति से तीन दिन पहले भंग कर दिया। इसके साथ ही देश में आम चुनाव कराने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। निचले सदन को भंग करने के लिए जारी अधिसूचना में कहा गया कि नेशनल असेंबली को संविधान के अनुच्छेद 58 के तहत भंग कर दिया गया है।

शहबाज शरीफ ने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर नेशनल असेंबली भंग करने की सिफारिश की थी। हालांकि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार और दो दिन सत्ता में रह सकती थी और 11 अगस्त को संसद भंग करना चाहती थी, लेकिन उसका मानना है कि जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान की पार्टी के पूर्व नेता राष्ट्रपति अल्वी निचले सदन को भंग करने के लिए तुरंत अधिसूचना जारी करने से इनकार कर सकते हैं।

जानकारी के अनुसार, पीएम शहबाज शरीफ ने बुधवार देर रात राष्ट्रपति अल्वी को नेशनल असेंबली भंग करने के लिए एक पत्र भेजा, जिससे कार्यवाहक प्रधानमंत्री की नियुक्ति की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो सकेगी। संसद के निचले सदन का कार्यकाल समाप्त होने से तीन दिन पहले प्रधानमंत्री शहबाज की ओर से इसे भंग करने की सलाह राष्ट्रपति अल्वी को भेजी गई है। नेशनल असेंबली समय से पहले भंग होने की सूरत में पाकिस्तान निर्वाचन आयोग 90 दिनों के भीतर चुनाव कराएगा।

बाइडेन की हत्या की धमकी देने वाले शख्स को एफबीआई ने किया ढेर, ट्रंप का था कट्टर समर्थक

वाशिंगटन (एजेंसी)। एफबीआई ने कहा कि उसके एजेंटों ने एक रेड के दौरान यूटा में एक व्यक्ति को गोली मारी है। एक सूत्र ने कहा कि उस व्यक्ति को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और कानून प्रवर्तन अधिकारियों के खिलाफ धमकी देने के आरोप में निशाना बनाया गया था। साल्ट लेक सिटी में एफबीआई ने कहा कि गोलीबारी तड़के हुई जब एजेंटों ने साल्ट लेक सिटी के दक्षिण में प्रोवो में एक आवास पर गिरफ्तारी और तलाशी वारंट देने का प्रयास किया।

एफबीआई ने उस व्यक्ति की पहचान नहीं की या यह नहीं बताया कि वह गिरफ्तारी की मांग क्यों कर रही थी। एक बयान में कहा गया कि एफबीआई हमारे एजेंटों या टास्क फोर्स के सदस्यों से जुड़ी सभी गोलीबारी की घटनाओं को गंभीरता से लेती है। बयान में कहा गया है कि घटना की समीक्षा की जा रही है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा, बिडेन, जो बुधवार को यूटा का दौरा करने वाले थे, को एफबीआई छापे के बारे में जानकारी दी गई, उन्होंने इस मामले पर एफबीआई को आगे के सवालों का जिक्र किया। यू.एस. द्वारा रॉयटर्स के साथ साझा की गई एक संघीय शिकायत में यूटा के अटॉर्नी कार्यालय ने संदिग्ध का नाम क्रेग रॉबर्टसन बताया। शिकायत से पता चलता है कि उसने सितंबर में बिडेन और हैरिस की हत्या का आह्वान करते हुए ऑनलाइन पोस्ट किया था। उन्होंने कथित तौर पर बिडेन की निर्धारित यूटा यात्रा से पहले उनके खिलाफ ऑनलाइन धमकियां भी दीं। शिकायत से पता चलता है कि उस व्यक्ति ने मैनहट्टन जिला अटॉर्नी एल्विन ब्रैग के खिलाफ भी धमकियां दीं क्योंकि ब्रैग ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ आपराधिक जांच का नेतृत्व किया था और अमेरिकी अटॉर्नी जनरल मेरिक गारलैंड के खिलाफ भी धमकियां दीं। शिकायत के साथ संलग्न एक पोस्ट में, संदिग्ध ने कहा कि वह ब्रैग को 'खत्म करने के अपने सपने को पूरा करने' के लिए न्यूयॉर्क जा रहा था।

पीएम मोदी न तो वाजपेयी और न ही मनमोहन सिंह, वो तो... बिलावल भुट्टो के फिर बिगड़े बोल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में आर्थिक के साथ ही राजनीतिक अस्थिरता लगातार बरकरार है। वहीं पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने देश की राष्ट्रीय सभा यानी संसद के निचले सदन को भंग कर दिया। मुल्क इन दिनों दो तरफा राजनीतिक और आर्थिक मुसीबतों से दो चार हो रहा है। लेकिन पाकिस्तान का भारत राग खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एक बार फिर से जगह उगला है। उन्होंने कहा कि गुजरात के कसाई थे और कश्मीर के कसाई बन जाएंगे। विदेश मंत्री के रूप में अपने विदाई संवाददाता सम्मेलन में बिलावल ने अपनी विदेश नीति का बचाव किया और कहा कि भारत के साथ संबंधों को सामान्य बनाने में प्रगति की कमी का संबंध वर्तमान भारतीय नेतृत्व से है।

बिलावल ने पीएम मोदी को भारत के दो पूर्व

प्रधानमंत्रियों के समकक्ष रखने से इनकार कर दिया और उनको लेकर कई आपत्तिजनक बातें कहीं। बिलावल ने कहा कि नरेंद्र मोदी न तो अटल बिहारी वाजपेयी हैं और न ही मनमोहन सिंह। वो गुजरात के कसाई थे और कश्मीर का कसाई बनेंगे। उन्होंने सबसे पहले पिछले साल संयुक्त राष्ट्र सत्र के इतर मोदी को गुजरात का कसाई कहा था। उनकी टिप्पणियाँ उनके शुरुआती वक्तव्य से भी विरोधाभासी थीं जहाँ उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला था कि उनकी विदेश नीति तीन प्रमुख सिद्धांतों पर आधारित थी। उन सिद्धांतों में से एक में निष्पक्ष नीति का पालन करना शामिल है और एक जो लोकलुभावनवाद पर आधारित नहीं था। हालाँकि, मोदी की उनकी नए सिरे से ब्रांडिंग को लोकप्रिय भावनाओं को जगाने के प्रयास के रूप में देखा जाएगा।

इस बीच, विदेश मंत्री बिलावल ने अपने 16 महीने के कार्यकाल के दौरान विदेश नीति के मोर्चे पर कई उपलब्धियां गिनाईं। अफगानिस्तान और भारत पर प्रगति की कमी पर बिलावल ने कहा कि आप क्या उम्मीद करते हैं? हमें 16 महीने में बदलाव लाना चाहिए जो 70 साल में नहीं हुआ। आतंकवाद में वृद्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए बिलावल ने कहा कि यह स्पष्ट है कि अफगान तालिबान की वापसी से प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का हौसला बढ़ा है।

अमेरिका के कहने पर गिरी थी इमरान की सरकार?

इस्लामाबाद। पाकिस्तान से सत्ताबदर किए गए नियाजी इमरान खान को लेकर अमेरिकी मीडिया की तरफ से एक बड़ा दावा किया गया है। अमेरिकी मीडिया कुछ पाकिस्तानी दस्तावेजों के हवाले से कहा कि रूस-यूक्रेन विवाद में तटस्थता की वजह अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इमरान कान को पीएम पद से हटाने के लिए प्रोत्साहित किया। द इंटरसेप्ट द्वारा प्राप्त एक लीक पाकिस्तानी सरकारी दस्तावेज़ के अनुसार, यूक्रेन पर रूसी आक्रमण पर अपने तटस्थ रुख के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका ने 2022 में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को प्रभावित किए जाने की संभावना जताई गई है। द इंटरसेप्ट की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी दस्तावेज़ में बताया गया है कि 7 मार्च, 2022 को अमेरिका में पाकिस्तानी राजदूत असद मजीद खान और डोनाल्ड लू सहित अमेरिकी विदेश विभाग के दो अधिकारियों की एक बैठक में क्या हुआ।

अब भारत के इस पड़ोसी देश ने जला दी 1-2 नहीं बल्कि 45 कुरान, 52 इस्लामिक देश भी हुए हैरान

ढाका (एजेंसी)। कुरान की प्रति को जलाने की खबरें आपको लगातार पढ़ने और देखने को मिल रही है। स्वीडन और डेनमार्क जैसे देशों में कुरान जलाने की खबरें आ रही हैं। इस तरह की घटनाओं धीरे-धीरे पूरे यूरोप में बढ़ती जा रही है। कुरान की बेअदबी किए जाने की घटनाओं को लेकर मुस्लिम देशों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। डेनमार्क और स्वीडन द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करने वाले नियमों के तहत कुरान जलाने की अनुमति देने के बाद ईरान और इराक में विरोध प्रदर्शन भड़क उठे। लेकिन इसी बीच एक ऐसी घटना हुई है जिसने मुस्लिम देशों के साथ-साथ पूरी दुनिया को ही हैरान करके रख दिया है। इस बार तो एक मुस्लिम देश में कुरान जलाई गई है और कुरान जलाने वाले भी मुस्लिम लोग हैं।

इस्लामिक बहुल देश बांग्लादेश में कुरान जलाने की घटना सामने आई है। दो लोगों ने मिलकर पवित्र कुरान की प्रतियों को आग के हवाले कर दिया। इसके विरोध में बांग्लादेश की सड़कों पर हजारों लोग उतर आए। पुलिस ने कहा कि रविवार रात कम से कम 10,000 लोग सड़कों पर उतर आए और उन्होंने पवित्र पुस्तक को नष्ट करने के आरोपी दो लोगों पर हमला करने की कोशिश की। एएफपी ने पुलिस अधिकारी अजबहार अली शेख के हवाले से कहा कि स्थिति को नियंत्रण में लाने की कोशिश में कम से कम 14 पुलिसकर्मी घायल हो गए।

आरोपी कौन हैं?

पुलिस ने नुरुर रहमान नाम के एक स्कूल प्रिंसिपल और उसके सहयोगी महबूब आलम को दोषियों के रूप में पहचाना है और उन्हें पूर्वोत्तर शहर सिलहट से हिरासत में लिया है। सिलहट मुस्लिम-बहुल देश के सबसे रूढ़िवादी हिस्सों में से एक है। पुलिस ने उनके पास से जलि हुई कुरान की कम से कम 45 प्रतियां भी जब्त कीं। आरोपी लोगों का दावा है कि नष्ट की गई कुरान बहुत पुरानी थीं और उनकी छपाई में कुछ गलतियाँ थीं। मुस्लिम विद्वानों के अनुसार, पवित्र पुस्तक का निपटान तभी स्वीकार्य है जब सम्मानपूर्वक किया जाए।

इंस्टाग्राम पर इस्लाम के खिलाफ विवादित पोस्ट से मचा बवाल, मामला दर्ज

रतलाम। सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर एक विवादित पोस्ट आने के बाद रतलाम में भारी बवाल मच गया। मुस्लिम समाज के लोग पुलिस चौकी पहुंचकर धरने पर बैठ गए और आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर उसका घर तोड़ने की मांग करने लगे। बाद में कुछ समाज सेवकों के हस्तक्षेप के बाद मामला एफआईआर पर रुका। मिली जानकारी के अनुसार इस्लाम के खिलाफ यह विवादित पोस्ट मध्य प्रदेश के रतलाम में बुधवार रात वायरल हुई। जिससे मुस्लिम समुदाय आहत हुआ और समुदाय के आक्रोशित लोग पुलिस हाट की चौकी पर जमा हो गए। पुलिस से विवादित पोस्ट डालने वाले पर सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान लोगों की संख्या कुछ देर में बहुत ज्यादा हो गई। बवाल बढ़ते देख दो थानों की पुलिस सहित थाना प्रभारी और सीएसपी मौके पर पहुंच गए। शहर काजी अहमद अली, समाज सेवी इमरान खोकर, पार्षद वसीम अली भी मौके पर पहुंचे और लोगों को शांत कराया। पुलिस ने बताया एक अज्ञात लड़की के खिलाफ मामला दर्ज किया है और तलाश शुरू कर दी। अब यह पता करेंगे कि इंस्टाग्राम की आईडी को असल में कौन चला रहा है? रात को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार खाखा, सीएसपी अभिनव कुमार वारंगे, औद्योगिक पुलिस थाना प्रभारी राजेंद्र वर्मा के साथ धक्कामुक्की भी की गई। इसके बाद समझाने गए शहर काजी अहमद अली को वापस भेज दिया इसके बाद युवाओं ने कमान संभाली। धरना देने वालों की मांग थी कि जिसने भावना आहत करने वाली पोस्ट की है उसके मकान को तोड़ा जाए। देर तक इस मांग को लेकर नारेबाजी चलती रही। पुलिस के समझाने का असर भी नजर नहीं आया। लोगों द्वारा एक बार तो पुलिस चौकी में अंदर तक जाने का प्रयास हुआ, हालांकि सीएसपी वारंगे, टीआई अनुराग यादव व शहर काजी अली के संयुक्त प्रयास के बाद युवा रोड पर ही प्रदर्शन को राजी हो गए। इसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। हालांकि इसके बाद भी कोई सुनने को तैयार नहीं हुआ और नारेबाजी चलती रही। बाद में समाजसेवी इमरान खोकर, पार्षद वसीम अली ने पुलिस की गाड़ी पर चढ़कर सभी को संबोधन दिया व धक्कामुक्की समाप्त करने के लिए राजी किया। इस संबन्ध में एडिशनल एसपी राकेश खाखा ने बताया कि सोशल मीडिया पर किसी ने आपत्तिजनक पोस्ट डाली थी जिस पर एक समुदाय के लोग नाराज होकर शिकायत दर्ज कराने आए थे, हमने लोगों को आश्वासन दिया और विवादित पोस्ट डालने वाले पर मामला दर्ज किया है।

तस्कर दे रहे बीएसएफ को चुनौती, ड्रोन के जरिए हो रही हथियारों व ड्रग्स की सप्लाई

नई दिल्ली। इन दिनों सीमा पार से ड्रग्स और हथियारों की ड्रोन के जरिए तस्करी की जा रही है, जो कि बीएसएफ के लिए चुनौती बनी हुई है। हालांकि सीमा सुरक्षा बल ने भी कमर कस ली है, और किसी भी तरह की कार्रवाई से निपटने के लिए अपने आप को तैयार कर लिया है। बता दें कि सीमा पार से घुसपैठ के अलावा, ड्रोन के जरिए हथियार और ड्रग्स की आपूर्ति के भी कई मामले पिछले दिनों सामने आए हैं, जिसके बाद सीमा सुरक्षा बल बीएसएफ अब पूरी तरह से अलर्ट पर है। किसी भी संदिग्ध वस्तु की सीमा के पास निगरानी कर रही है। असामान्य में जैसे ही कोई ड्रोन दिखता है, जवान उसे मार गिराते हैं। इस संबंध में बीएसएफ के सहायक कमांडेंट गौरव शर्मा ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल के जवान पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के जरिए खतरे का मुकाबला करने के लिए सतर्क और अच्छी तरह से तैयार हैं। हम अपने बीएसएफ कर्मियों को ड्रोन पर बहुत अच्छी तरह से प्रशिक्षित करते हैं। अगर कोई गुनगुनाहट की आवाज सुनाई देती है तो वे अधिकारियों को सूचित करते हैं। इसके बाद बीएसएफ अधिकारियों के साथ ड्रोन की तलाश शुरू होती है। पुलिस ने अधिकारियों के साथ पूरे क्षेत्र की घेराबंदी करते हुए आगे की जांच की, ड्रोन पाया गया और उसे मार गिराया गया। इसके बारे में उन्होंने कहा कि यह एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण काम है क्योंकि ड्रोन तकनीक का उपयोग करके पाकिस्तान से सीमा पार कुछ भी भेजा जा सकता है, जिसमें अधिकांश दवाएं और हथियार भी शामिल हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान भारत में नशीले पदार्थ और हथियार पहुंचाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रहा है और ड्रोन तकनीक अधिक सस्ती और सुलभ होने के साथ खतरा और भी गहरा होने वाला है।

घातक बीमारी हवाना सिंड्रोम ने 200 से ज्यादा लोगों को चपेट में लिया

बेंगलुरु। बेंगलुरू में इन दिनों हवाना सिंड्रोम नाम की नई बीमारी की चर्चा हो रही हैं। इस बीमारी से लगभग 200 से अधिक लोग पीडित बताए जा रहे हैं। हालांकि जानकार बता रहे हैं कि इस रहस्यमयी बीमारी की शुरुआत अमेरिका से हुई है। इस बीमारी की पहली रिपोर्ट 2016 में की गई थी जब सीआईए कर्मचारियों ने माइग्रेन, मतली, याददाश्त में कमी, चक्कर आना, बिना किसी बाहरी शोर के आवाज सुनना और चक्कर जैसे लक्षणों का अनुभव करने की सूचना दी थी। उस दौरान कर्मचारी क्यूबा के हवाना में तैनात थे और इसलिए इस बीमारी का नाम हवाना सिंड्रोम पड़ा। कुछ सीआईए कर्मचारियों में हवाना सिंड्रोम के लक्षण महीनों तक बने रहे। इस बीमारी को लेकर कोर्ट में एक याचिका भी दी गई है। बेंगलुरु के एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका के अनुसार, हाई फ्रीक्वेंसी वाले माइक्रोवेव उत्सर्जन से हवाना सिंड्रोम होता है। व्यापक जांच और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान देने के बावजूद, हवाना सिंड्रोम के कारण के बारे में कोई निश्चित निष्कर्ष नहीं निकले हैं। कई विशेषज्ञों का मानना है कि घटनाएं कई कारकों के संयोजन के कारण हो सकती हैं, और ठोस सबूतों की कमी के कारण यह अभी रहस्यमयी है। केंद्र सरकार जल्द ही भारत में हवाना सिंड्रोम की आशंका की जांच करेगी, सरकार ने पिछले हफ्ते कर्नाटक उच्च न्यायालय को यह जानकारी दी थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, केंद्र ने ए अमरनाथ चागु द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत में यह दलील दी।

मुंबई को दहलाने की साजिश, घातक हथियार समेत दो गिरफ्तार

मुंबई,। मुंबई/महाराष्ट्र में आतंकी हमले की तैयारी कर रहे 6 लोगों को अब तक गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार किए गए 6 लोगों के पास से बम बनाने की सामग्री मिली है. साथ ही अबतक तरह-तरह की धमकियों के फोन आ रहे हैं. इन सबके चलते आम जनता भी डरी हुई है. अब मुंबई के पश्चिमी उपनगर अंधेरी से दो और लोगों को हिरासत में लिया गया है. अंधेरी के डीएन नगर इलाके में दो लोगों को खतरनाक आग्नेयास्त्रों के साथ गिरफ्तार किया गया है। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच की यूनिट 9 ने ये बड़ी कार्रवाई की है. क्राइम ब्रांच पुलिस ने दोनों लोगों के पास से 2 आग्नेयास्त्र और 23 जिंदा कारतूस के साथ एक धारदार चाकू और अन्य सामग्री बरामद की है। ये दोनों गिरफ्तार आरोपियों के नाम अरबाज खान और ताशी हुसैन खान हैं. इस संबंध में डीएन नगर थाने में दोनों के खिलाफ शस्त्र निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है. पुलिस ने पूरे मामले को आगे की जांच के लिए अपराध शाखा नौ को सौंप दिया है।

केरल के मुख्यमंत्री विजयन पर चल सकता है भ्रष्टाचार का मामला-भाजपा का दावा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन अपनी बेटी वीणा विजयन की कंपनी कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) से बिना कोई सेवा प्रदान किए 1.7 करोड़ रुपये प्राप्त करने के कथित मामले में भ्रष्टाचार के आरोपों में जांच का सामना कर सकते हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता टॉम वडक्कन ने एक बयान में इसे 'वीणा टैक्स' करार दिया और आरोप लगाया कि वीणा विजयन को पिछले तीन साल से निजी कंपनी से मासिक किस्तों में कुल 1.72 करोड़ रुपये मिले। केरल से ताल्लुक रखने वाले वडक्कन ने कहा कि आयकर अंतरिम निपटान बोर्ड की नई दिल्ली पीठ ने फैसला सुनाया कि एक 'प्रमुख व्यक्ति' के साथ संबंधों को देखते हुए पैसा दिया गया था। वीना और उनकी कंपनी एक्सलॉजिक सॉल्यूशंस ने सीएमआरएल को आईटी, मार्केटिंग कंसल्टिंग और सॉफ्टवेयर सेवाओं की आपूर्ति करने पर सहमति जताई थी।'' उन्होंने कहा कि हालांकि आयकर विभाग की जांच में पाया गया कि कोई सेवा मुहैया नहीं कराई गई। वडक्कन ने कहा कि सीएमआरएल के प्रबंध निदेशक एस एन शशिधरन कार्था ने कहा है कि अनुबंध के अनुसार मासिक किस्तों में धन का भुगतान किया गया था। उन्होंने कहा, ''आयकर विभाग ने आरोप लगाया कि वीना और एक्सलॉजिक को 2017-20 के दौरान 1.72 करोड़ रुपये मिले, जो एक अवैध लेनदेन है। आयकर विभाग ठोस सबूतों की मदद से यह दिखाने में सक्षम रहा है कि उन सेवाओं के लिए धन का भुगतान किया गया था जो प्रदान नहीं की गई थीं....।'' उन्होंने कहा कि इन आरोपों की प्रकृति और आयकर विभाग द्वारा उठाए गए सवालों को देखते हुए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि मामले की जांच की जाए।

मेहमान जो हमारा होता है वो जान से प्यारा होता है

20 देशों की सुरक्षा के लिए भारत का बड़ा कदम, ये स्नाइपर बंदूकें तो बवाल कर देंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस आगामी जी20 शिखर सम्मेलन के लिए रूसी ड्रैगुनोव स्नाइपर राइफलें खरीद रही है। इन बंदूकों से लैस प्रशिक्षित निशानेबाजों को दिल्ली के फाइव स्टार होटलों की छत, एयरोसिटी और शहर के अन्य रणनीतिक स्थानों पर तैनात किया जाएगा। हालांकि वरिष्ठ अधिकारी इस घटनाक्रम के बारे में चुप्पी साधे साध रखी है। लेकिन पुलिस सूत्रों ने कहा कि इन हथियारों को खरीदने के बजाय, पुलिस इन्हें सेना या अर्धसैनिक बलों से प्राप्त करेगी। एक ड्रैगुनोव एसवीडी राइफल की कीमत 2-3 लाख रुपये है, लेकिन चुने गए सहायक उपकरण के आधार पर कीमत 5 लाख रुपये तक बढ़ सकती है। सूत्रों ने पुष्टि की कि दिल्ली पुलिस को सीमित समय के लिए 70-100 राइफलों की जरूरत है।

250 निशानेबाज ड्यूटी पर तैनात

पुलिस मुख्यालय के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, लगभग 250 निशानेबाजों को जी20 ड्यूटी पर तैनात करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। वे 8-घंटे की शिफ्ट में काम करेंगे और पूल के दो दर्जन से अधिक निशानेबाज स्टैंडबाय पर रहेंगे। ड्रैगुनोव का चयन इसलिए किया गया क्योंकि पुलिस को एक ऐसे हथियार के बजाय एक विश्वसनीय और सरल स्नाइपर की आवश्यकता थी जो उच्चतम सटीकता के साथ वास्तव में लंबी दूरी तक फायर कर सके, घटनाक्रम से अवगत एक अन्वेषक ने कहा। ड्रैगुनोव स्नाइपर्स अभ्यास में 700-800 मीटर से अधिक सटीक हैं, जो शहर पुलिस का मानना है कि सितंबर में वैश्विक शिखर सम्मेलन के दौरान उपयोग के लिए पर्याप्त है।

हाई-एंड नाइट विजन दूरबीनों से लैस

स्नाइपर्स को हाई-एंड नाइट विजन दूरबीनों से लैस और उनके नजदीक तैनात 50 से अधिक स्पॉटर्स द्वारा सहायता प्रदान की जाएगी। एक अधिकारी ने कहा, वे स्नाइपर्स के साथ निकट संपर्क में रहेंगे और उन्हें किसी भी संदिग्ध तत्व के बारे में सचेत करेंगे। पुलिस अधिकारी स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान लाल किले और आस-पास के स्थानों पर स्नाइपर्स तैनात करते समय स्पॉटर्स का भी उपयोग कर सकते हैं। अधिकारियों ने कहा कि ड्रैगुनोव एसवीडी एक विश्वसनीय गैस चालित राइफल है, जिसका लंबी बैरल और फायर के बावजूद उपयोग, रखरखाव और मरम्मत करना आसान है।

500-700 मीटर से अधिक दूरी के टारगेट पर अटैक संभव

एक अधिकारी ने कहा कि निशानेबाज कार्यों और युद्ध के माहौल के आधार पर स्नाइपर राइफल को दिन और रात दोनों ऑपरेशनों के लिए विभिन्न दृष्टि प्रणालियों से समायोजित और सुसज्जित कर सकते हैं। सेमी ऑटोमैटिक स्नाइपर राइफल होने के कारण, ड्रैगुनोव त्वरित अनुवर्ती शॉट्स की अनुमति देता है। हालाँकि, रूसी हथियार के अपने नुकसान भी हैं। विशेष हथियार और रणनीति (एसडब्ल्यूएटी) इकाई के एक अधिकारी ने कहा, 'फायर किए गए मामलों को बाहर निकालने से स्नाइपर की स्थिति खत्म हो सकती है। इसे 500-700 मीटर से अधिक दूरी के लक्ष्य पर हमला करने के लिए सबसे अच्छा नहीं माना जाता है। भारतीय सेना इन राइफलों के सबसे बड़े उपयोगकर्ताओं में से एक है और अनुमान है कि एक समय में सेवा में इन हथियारों की कुल संख्या लगभग 7,000 थी। सूत्रों ने कहा कि सेना इन राइफलों को बदलने पर विचार कर रही थी और अन्य उन्नत स्नाइपर हथियारों की खरीद के दौरान इन्हें अपग्रेड करने की खबरें हैं।

डिजिटल ट्रंकिंग रेडियो सिस्टम पर भी विचार

एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि वे संचार उपकरण, सुरक्षा उपकरण और वाहन भी खरीद रहे हैं जो सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ावा देंगे। बल के सूत्रों ने कहा कि एक उन्नत डिजिटल ट्रंकिंग रेडियो सिस्टम खरीदने की भी योजना है जो पुलिस के बीच बेहतर संचार प्रदान करेगा। तरल रूप में विस्फोटक पदार्थों का पता लगाने के लिए उन्नत उपकरण और वाहनों के नीचे के क्षेत्रों की निगरानी और स्कैन करने के लिए पोर्टेबल उपकरण भी हासिल किए जाएंगे।

पंजाबा में इंडिया गठबंधन बंटा, कांग्रेस अकेले ही लड़ेगी सभी सीटों पर चुनाव

नई दिल्ली। पंजाब में इंडिया गठबंधन दो धड़ों में बंटता नजर आ रहा है। इसकी वजह कांग्रेस के नेता विपक्ष प्रताप सिंह बाजवा का वह बयान है जिसमें उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनावों में उनकी पार्टी राज्य की सभी 13 संसदीय सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी। बाजवा ने कहा कि उनका सत्ताधारी आम आदमी पार्टी से कोई समझौता नहीं होगा। बताया जा रहा है कि बाजवा का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब दोनों पार्टियां एकजुट होकर संसद में केंद्र की सत्तधारी बीजेपी और उसके गठबंधन एनडीए को पटकनी देने की सोच रही है। कांग्रेस ने इसी हफ्ते संसद में दिल्ली सर्विस बिल का विरोध कर आम आदमी पार्टी को सहयोग किया था। हालांकि, बाद ये बिल संसद से पारित हो गया। पटियाला की एक सभा में जहां बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए मुआवजे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा था, को संबोधित करते हुए बाजवा ने स्पष्ट किया कि भाजपा के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर आप के साथ कांग्रेस की भागीदारी विभिन्न राज्यों में राज्यपालों और उपराज्यपालों से संबंधित मुद्दों पर समर्थन तक ही सीमित थी। पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रमुख सुनील जाखड़, जो अब पंजाब भाजपा के अध्यक्ष हैं, को चुनौती देते हुए बाजवा ने उनसे आग्रह किया कि क्या उनके भतीजे और कांग्रेस विधायक संदीप जाखड़ कांग्रेस में रहेंगे या भाजपा में शामिल होंगे। यहां गौरतलब है कि कई राज्यों की इकाई खासकर पंजाब और दिल्ली कांग्रेस इकाई के विरोध के बावजूद कांग्रेस ने दिल्ली सर्विस बिल के मुद्दे पर आप को समर्थन देने का फैसला राष्ट्रीय स्तर पर किया था ताकि विपक्षी एकता में दरार न आ सके। लेकिन बाजवा के बयान से स्पष्ट होता है कि विपक्षी गठबंधन इंडिया में विभिन्न दलों के बीच जमीनी स्तर पर अभी भी अंदरूनी गांठ बरकरार है, जो 2024 के लोकसभा चुनावों में उनके लिए खतरनाक साबित हो सकता है। क्यों?कि हाल ही में सीपीएम ने भी ऐलान किया था कि वह पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस से कोई समझौता नहीं करेगी। इससे भी गठबंधन को तगड़ा झटका लग रहा है।

'एक तरफ चौकीदार है और दूसरी तरफ दुकानदार', ओवैसी बोले-

जब अल्पसंख्यकों पर जुल्म होता है तो किसी का मुंह नहीं खुलता

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने गुरुवार को अविश्वास प्रस्ताव में हिस्सा लेते हुए लोकसभा में गृह मंत्री अमित शाह की उस टिप्पणी पर कटाक्ष किया जो उन्होंने बुधवार को दी थी। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि हमारे गृह मंत्री कल %भारत छोड़ो% की बात कर रहे थे। मुझे आश्चर्य है कि अगर उन्हें पता चलेगा कि %भारत छोड़ो% शब्द एक मुस्लिम द्वारा गढ़ा गया था, तो वह इस शब्द का उपयोग नहीं करेंगे। मैं कहना चाहता हूं कि आप (केंद्र सरकार) जिस तरह की राजनीति कर रहे हैं, उससे देश को नुकसान होगा। मैं पीएम से पूछना चाहता हूं कि क्या हिंदुत्व देश से ज्यादा महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर इन लोग जुल्म के खिलाफ नहीं बोले तो 'दुकानदारी' बंद हो जाएगी, 'चौकीदार' बदल जाएगा और देश को तीसरा मोर्चा मिलेगा।

ओवैसी ने भाजपा और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि एक तरफ 'चौकीदार' है और दूसरी तरफ 'दुकानदार' है, लेकिन जब अल्पसंख्यकों पर जुल्म होता है तो किसी का मुंह नहीं खुलता। यह भी कहना था, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चर्चा का जवाब देते हुए यह स्पष्ट करना चाहिए कि देश बड़ा है या फिर हिंदुत्व और (संघ विचारक) गोलवलकर की विचारधारा बड़ी है?'' ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का परोक्ष रूप से उल्लेख करते हुए कहा, ''इस देश में दो मोर्चे हैं। एक चौकीदार है और एक दुकानदार है। जब हम पर जुल्म होता है तो कोई मुंह नहीं खोलता। गृह मंत्री अमित शाह यूएपीए कानून लेकर आए तो इन दुकानदारों ने समर्थन किया।'' ओवैसी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले लोकसभा चुनाव से पहले ट्विटर पर अपने नाम के आगे 'चौकीदार' लगाया था। राहुल गांधी ने 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान 'नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान' खोलने का नारा दिया था।

हैदराबाद से लोकसभा सदस्य ने कहा, ''दुकानदार और चौकीदार हमारी लाशों पर कब तक सियासत करेंगे? अगर आप जुल्म के खिलाफ आवाज नहीं उठाएंगे तो दुकानदारी नहीं चलेगी, चौकीदार बदल जाएगा, तीसरा मोर्चा चलेगा।'' उन्होंने ट्रेन में एक पुलिसकर्मी द्वारा चार लोगों की हत्या की घटना और हरियाणा की हिंसा का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार को बहुसंख्यक समुदाय से जुड़े कट्टरपंथ पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, ''इस सरकार का जमीर कहां गया था जब नूंह में सैकड़ों इमारत को ढहा दिया गया और कोई कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया...हिंदुस्तान में नफरत का माहौल पैदा किया गया है।'' उन्होंने कहा, ''क्य बिलकीस बानो इस देश की बेटी नहीं है...कातिलों को रिहा कर दिया गया। क्या यह आपका जमीर है?'' ओवैसी ने ज्ञानवापी मामले का परोक्ष उल्लेख करते हुए कहा, ''तारीख के जख्मों को नहीं कुरेदा जाना चाहिए...सरकार को उच्चतम न्यायालय में स्पष्ट करना चाहिए कि वह 1991 के उपासना स्थल अधिनियम पर कायम है।''

सिब्बल ने चेताया, गृहमंत्री 'इंडिया' गुट के खिलाफ अनर्गल आरोप न लगाएं

नयी दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने कहा कि गृहमंत्री अनर्गल आरोप लगाने की बजाय शासन व्यवस्था संभालें, ताकि मणिपुर में शांति बहाली हो सके। उन्होंने विपक्षी दलों के गठबंधन पर गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी के जवाब में कहा कि 'इंडिया' गुट के खिलाफ 'अनर्गल आरोप' लगाने के बजाय क्या उन्हें मणिपुर और हरियाणा जैसी जगहों में शासन पर ध्यान केंद्रित नहीं करना चाहिए। बता दें कि सिब्बल की टिप्पणी ऐसे वक्त आई है जब एक दिन पहले शाह ने लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर बहस में हस्तक्षेप करते हुए विपक्षी दलों के गठबंधन के चरित्र पर सवाल उठाया था और कहा था कि इसका असली चेहरा तब देखा गया जब यह सत्ता में बने रहने के लिए भ्रष्टाचार में लिप्त हो गया। अमित शाह ने कहा कि संकट के ऐसे समय में राजनीतिक दलों और गठबंधनों का चरित्र सामने आ जाता है। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) का चरित्र किसी भी तरह से सरकार बचाने के लिए भ्रष्टाचार में लिप्त होना है, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का चरित्र सिद्धांतों पर कायम रहना है। उन्होंने कहा था कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने सरकार बचाने के लिए किसी भी तरह की कुटिल रणनीति का सहारा नहीं लिया। वाजपेयी सरकार एक वोट कम होने से गिर गई थी। इधर गृह मंत्री की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए सिब्बल ने कहा कि अमित शाह जी 'इंडिया' पर अनर्गल आरोप लगाने के बजाय शासन पर ध्यान क्यों नहीं देते? मणिपुर, हरियाणा, एमपी, महाराष्ट्र।' सिब्बल ने सोशल नेटवर्किंग साइट 'एक्स' पर कहा कि आप कर्नाटक हार गए- भ्रष्टाचार। जल्द ही मध्य प्रदेश हारेंगे- भ्रष्टाचार। धर्म के साथ खेलने के बजाय विकास पर ध्यान केंद्रित करें। अपनी टिप्पणी में शाह ने यह भी दावा किया था कि विपक्ष ने अपने गठबंधन का नाम बदलकर 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस' कर लिया क्योंकि 'संप्रग' नाम अनगिनत घोटालों और भ्रष्टाचार से जुड़ा था।

राहुल गांधी की फ्लाइंग किस पर इतना बवाल, सोचिए मणिपुर की महिलाओं को कैसा लगा होगा?

-बीजेपी की महिला सांसदों को लेडी आईएएस ने लगाई फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में राहुल गांधी के 'फ्लाइंग किस' को लेकर जहां बीजेपी महिला सांसदों ने स्पीकर से शिकायत की है, वहीं मध्य प्रदेश राज्य की आईएएस अधिकारी शैलबाला मार्टिन ने 'मणिपुर की महिलाओं की स्थिति के बारे में सोचें' कहकर हंगामा खड़ा कर दिया है। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में मैतेई लोगों को आदिवासी सूची में शामिल करने का विरोध हुआ। ये विरोध कुकी जनजाति ने दिखाया। पिछले 3 मई को निकले जुलूस में दोनों पक्षों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। इस दौरान दो महिलाओं को नग्न करके सड़क पर घुमाया गया। इस वीडियो ने लोगों की रुह कंपा दी। वीडियो सामने आने के बाद काफी हंगामा हुआ।

मध्य प्रदेश की एक वरिष्ठ महिला आईएएस अधिकारी ने बुधवार को संसद में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के कथित ''अशोभनीय व्यवहार'' के खिलाफ विरोध जता रहीं महिला सांसदों से कहा कि वे यह भी सोचें कि मणिपुर की महिलाओं को कैसा महसूस हुआ होगा। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की अधिकारी का इशारा स्पष्ट रूप से हिंसाग्रस्त मणिपुर में सामने आए उस वीडियो की ओर था, जिसमें दो महिलाओं को निर्वस्त्र करके घुमाते देखा जा सकता है। आईएएस अधिकारी शैलबाला मार्टिन ने ट्विटर पर कहा, ''जरा सोचिए मणिपुर की महिलाओं को कैसा महसूस हुआ होगा।''

चुनाव आयुक्त के चयन में अब नहीं होगी मुख्य न्यायाधीशों की भूमिका

-केंद्र सरकार ला रही नया बिल, नियुक्ति पैनल से सीजेआई को किया जाएगा बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब चुनाव आयुक्त के चयन में सीजेआई की भूमिका समाप्त होने वाली है। केन्द्र सरकार इसके लिए नया बिल ला रही है। मिली जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार एक ऐसा कानून बनाने जा रही है जिसमें शीर्ष चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति की प्रक्रिया में मुख्य न्यायाधीश की भूमिका नहीं होगी। इस विधेयक के मुताबिक चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री की समिति द्वारा की गई की सिफारिश के आधार पर की जाएगी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने देश के मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति में मुख्य न्यायाधीश की भूमिका तय की थी। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त व अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़ा बिल गुरुवार को राज्यसभा में पेश किया जाना है। सरकार के इस विधेयक में प्रस्ताव किया गया है कि है कि चुनाव आयुक्त की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री की समिति द्वारा की गई की सिफारिश पर की जाएगी।

बता दें कि सरकार द्वारा लाए जा रहे हैं इस नए बिल के मुताबिक प्रधानमंत्री इस पैनल की अध्यक्षता करेंगे। इस पर विपक्ष के कई सांसदों का कहना है कि सरकार द्वारा लाए जा रहे इस बिल का उद्देश्य सुप्रीम कोर्ट के मार्च 2023 के फैसले को कमजोर करना है जिसमें संविधान पीठ ने अपने फैसले में कहा था कि मुख्य चुनाव आयुक्त, चुनाव आयुक्तों का चयन राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश के पैनल की सलाह पर किया जाएगा। इससे पहले तक मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति केंद्र सरकार करती थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने ये भी साफ किया था कि मौजूदा व्यवस्था तब तक जारी रहेगी, जब तक संसद इस पर कानून न बना दे।

केंद्र सरकार द्वारा राज्यसभा में गुरुवार को चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति संबंधी विधेयक पेश किया। सरकार का यह विधेयक मुख्य न्यायाधीश को चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति की प्रक्रिया से बाहर करेगा। गौरतलब है कि चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडे अगले साल 14 फरवरी को सेवानिवृत्त हो जाएंगे। इसके बाद चुनाव आयोग में एक पद खाली हो जाएगा। उनकी सेवानिवृत्ति चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित 2024 लोकसभा चुनावों की संभावित घोषणा से कुछ दिन पहले होगी, इसके बाद नए चुनाव आयुक्त की नियुक्ति होगी।

अमित शाह ने सदन में किया मदद का झूठा दावा, सच्चाई बताने सामने आई कलावती

-एक चैनल पर की हकीकत बयानी, पीएम मोदी ने नहीं राहुल गांधी ने बढ़ाया था मदद का हाथ

मुंबई (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह के उस दावे को झूटा साबित कर दिया है, जिसमें उन्होंने सदन में बताया था कि गरीब असहाय कलावती की मदद पीएम नरेन्द्र मोदी ने की थी। स्वयं कलावती ने एक चैनल पर आकर सारी हकीकत बताई, और कहा कि उनकी मदद पीएम ने नहीं बल्कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने की थी। गौरतलब है कि अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान लोकसभा में गृहमंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के विदर्भ की कलावती बंदुरकर का जिक्र किया। अमित शाह ने दावा किया कि राहुल गांधी ने जिन कलावती के घर भोजन किया था, उसकी मदद राहुल ने नहीं पीएम मोदी ने की। शाह के इस बयान के बाद महाराष्ट्र के यवतमाल की विधवा किसान कलावती चर्चा में आ गईं। अब कलावती ने अमित शाह के दावों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बताया कि उन्हें कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात के बाद ही मदद मिली थी। बीजेपी से इसका कोई लेना देना नहीं है।

गृहमंत्री अमित शाह ने सदन में कहा ?कि एक बार राहुल बुंदेलखंड की रहने वाली गरीब महिला कलावती के घर भोजन करने गए। इसके बाद सदन में गरीबी का वर्णन किया। इसके बाद उनकी सरकार आई, लेकिन मैं पूछता हूं कि उनकी सरकार ने उस गरीब महिला कलावती के लिए क्या किया? उस गरीब कलावती के घर, बिजली, गैस, अनाज आदि देने का काम नरेंद्र मोदी ने किया। उन्होंने कहा कि आप जिस कलावती के घर भोजन के लिए गए थे, उनको भी मोदी जी पर भरोसा है। वो मोदी जी के साथ खड़ी हैं। हालांकि, गौर करने वाली बात ये है कि अमित शाह ने कलावती को बुंदेलखंड का बताया, जबकि राहुल ने जिन कलावती के घर पर भोजन किया था, वह महाराष्ट्र के यवतमाल की हैं।

गृहमंत्री के इस दावे के बाद मीडिया ने महाराष्ट्र के यवतमाल में रह रहीं कलावती के घर पहुंचकर जानकारी ली तो वो बोलीं कि उन्हें कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मुलाकात के बाद ही मदद मिली थी। उस मदद से बीजेपी का कोई लेना देना नहीं है। कलावती के बेटे प्रीतम बंदुरकर ने बताया, उस समय हमारी हालत बहुत खराब थी, हम सात बहनें और दो भाई थे, पापा गुजर गए थे। आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी, हम लोग काम करने खेत में जाते थे। जैसे-तैसे बस गुजारा चल रहा था। लेकिन, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के आने के बाद हमारी स्थिति बदल गई। वो किसानों से मिलने हमारे इलाके में आए थे और अचानक हमारे घर भी आ गए। उन्होंने हमारी पैसे से मदद की, हमें 30 लाख की एफडी दी। फिर घर मंजूर हुआ, पानी और लाइट दी। उन्हें उस समय जो कुछ भी मिला था, केवल राहुल गांधी की वजह से ही मिला था।

बता दें कि कलावती यवतमाल के जालका गांव की रहने वाली हैं। कर्ज से परेशान कलावती के पति परशुराम ने आत्महत्या कर ली थी। हालांकि राहुल गांधी ने साल 2008 में कलावती से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के बाद कलावती चर्चा में आ गई थीं। कलावती ने पिछले साल मीडिया को दिए इंटरव्यू में बताया था कि राहुल ने उन्हें तीन लाख का चेक दिया था। इसके बाद उनके खाते में 30 लाख रुपये भी डाले गए थे। वे पहले झोपड़ी में रहती थीं, लेकिन अब उनके पास पक्का घर है। कलावती ने बताया कि राहुल से मिलने के बाद उनका जीवन ही बदल गया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

हाईकोर्ट की लताड़ के बाद हरकत में आया वडोदरा कॉर्पोरेशन, आवारा पशु नियंत्रण की बनाई नई पॉलिसी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वडोदरा,गुजरात हाईकोर्ट की फटकार के बाद अब वडोदरा महानगर पालिका हरकत में आ गई है और आवारा पशु नियंत्रण पर नई पॉलिसी में आवश्यक सिफारिशों के साथ स्थायी समिति के जरिए सामान्य सभा की मंजूरी मांगी गई है। नई पॉलिसी में आवारा पशुओं की वजह से अगर किसी की मौत होती है तो पीड़ित परिवार को रु 5 लाख और घायल को रु 50 हजार का मुआवजे की दरखास्त की गई है। अगर एक ही पशु मालिक तीन बार अपराध करता है तो गैर जमानती अपराध और पशुवाडा हमेशा के लिए बंद कराने की दरखास्त की गई है। इतना ही सार्वजनिक रूप से घास-चारा बेचने वालों के खिलाफ अधिसूसना का उल्लंघन, पशुओं के साथ भागने वाली बाइकर्स गैंग के खिलाफ कानूनी कार्यवाही, पशु पकड़ने वाली टीम के मूवमेंट का मैसेज करने वाले पशु पालकों के खिलाफ साइबर क्राइम विभाग के जरिए शिकायत की दरखास्त की गई है। नई पॉलिसी में खास बात यह है कि आवारा पशु के कारण अगर किसी व्यक्ति की मौत हो जाती है तो मृतक के परिवार को रु 5 लाख के मुआवजे और घायल को रु 50 हजार के मुआवजे की वसूली पशुपालक से करने के प्रावधान की दरखास्त की है।

किसान को थप्पड़ मारने का मुद्दा गरमाया, किसानों ने शुरूकी गांधीनगर तक न्याय यात्रा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

बनासकांठा,तीन दिन पहले दियोदर में आयोजित एक बैठक में एक किसान नेता को एक शख्स ने थप्पड़ मार दिया था। थप्पड़ मारने वाला शख्स दियोदर के विधायक केशाजी चौहाण का समर्थक बताया जाता है। तीन दिन पहले का यह मामला अब गांधीनगर पहुंचने वाला है। विधायक केशाजी चौहाण के इस्तीफे की मांग को लेकर दियोदर से आज न्याय यात्रा शुरूकी गई है, जो गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के साथ मुलाकात के बाद संपन्न होगी। दरअसल बनासकांठा जिले के दियोदर में तीन दिन पहले दियोदर के विधायक केशाजी चौहाण समेत अधिकारियों की उपस्थिति में अटल भूजल योजना को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया था। इस बैठक में बड़ी संख्या में किसानों को भी बुलाया गया था। बैठक खत्म होने के बाद किसान नेता अमराभाई चौधरी के साथ नोंकझोंक के बाद एक शख्स ने थप्पड़ मार दिया था। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद बनासकांठा जिले के किसानों में आक्रोश भड़क उठा। वीडियो को लेकर किसानों ने आरोप लगाया कि अमराभाई चौधरी पर हमला करने वाला शख्स दियोदर के विधायक केशाजी चौहाण का समर्थक है। जिसके बाद केशाजी चौहाण के इस्तीफे की मांग की जा रही है। इस मामले में न्याय की मांग के साथ आज सणादर से किसानों ने न्याय यात्रा शुरू की है, जो विभिन्न गांवों से होते हुए गांधीनगर की ओर बढ़ रही है। जिन गांवों से यात्रा गुजर रही उन गांवों के लोग भी इसमें शामिल होते जा रहे हैं। आज से शुरू हुई न्याय यात्रा विभिन्न गांवों से होते हुए गांधीनगर पहुंचेगी और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल से ज्ञापन देकर केशाजी चौहाण के इस्तीफे की मांग करेंगे। किसानों ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर गांधीनगर में पेशकश के बाद उनके साथ न्याय नहीं किया गया तो वह दियोदर से दिल्ली तक कूच करेंगे।

मंडियों में आय बढ़ने से सब्जियां हुई सस्ती, आनेवाले दिनों में और घटेंगे दाम

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पिछले दो महीने से आसमान छू रहे सब्जियों के दाम अब घटने लगे हैं और आनेवाले दिनों में इसमे और गिरावट आने की संभावना है। मंडियों में सब्जियों की आय बढ़ने से इसकी कीमतों में कमी आई है। सब्जियों की कीमतें बढ़ने से लोगों के भोजन का स्वाद फीका हो गया था, लेकिन अब वह स्वाद धीरे धीरे लौटने लगा है। हप्ता-दस दिन बाद और राहत मिलने की संभावना है। सब्जियों की कीमतें आसमान छूने खासकर टमाटर के दाम प्रति किलो 200 रुपए के पार होने से गृहणियों का बजट बिगड़ गया था। जिसकी वजह से भोजन का स्वाद फीका हो गया था। 12 मार्च को सब्जियां प्रति किलो 40 रुपए के आसपास थी। जो अगस्त आते आते 200 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थीं। खासकर टमाटर की कीमतों में रिकार्ड वृद्धि ने आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी थीं। व्यापारियों की मानें तो उनके 30 से 40 वर्ष के जीवन में सब्जियों की कीमतों में इतनी वृद्धि पहली बार देखी है। तीन साल पहले टमाटर की कीमतें 90 रुपए तक पहुंच गई थी, परंतु हाल के समय जितनी वृद्धि कभी नहीं हुई। हांलाकि अब धीरे धीरे टमाटर की कीमतों में गिरावट आ रही है। व्यापारियों के मुताबिक बेंगलूर में हुई बारिश की वजह से फसलों को काफी नुकसान होने से टमाटर की आय घट गई थी, जिसकी वजह से टमाटर की कीमतें लगातार बढ़कर रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई थी। बाजार में 20 ट्रकों की जरूरत के मुकाबले केवल 4 ट्रक आ रहे थे। मांग ज्यादा और आय कम होने की वजह से टमाटर के दाम आसमान पर पहुंच गए थे। लेकिन अब बेंगलूर में बारिश की स्थिति सामान्य होने से टमाटर की आय बढ़ने से इसकी कीमतें घटने लगी हैं। आगामी हप्ता-दस दिनों के भीतर टमाटर की कीमत रु 100 प्रति किलो के आसपास पहुंच सकती है| केवल टमाटर ही नहीं अन्य सब्जियों की कीमतों में कमी आई है| मंडियों में सब्जियों की कीमतों में रु 20 से रु 30 की कीमतें घटी हैं। आनेवाले दिनों में सब्जियों के दाम और भी घटने से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

हरियाणा में हुई सड़क दुर्घटना में गुजरात के 4 युवकों की मौत, एक की हालत गंभीर

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मेहसाणा,हरियाणा के झज्झर जिले में हुई सड़क दुर्घटना में उत्तर गुजरात के चार युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को हरियाणा के पीजीआई रोहतक में भर्ती कराया गया है। गुजरात के ये पांचों युवक क्रेटा कार में हरियाणा गाय खरीदने जा रहे थे। जानकारी के मुताबिक उत्तरी गुजरात के मेहसाणा जिले के निवासी पांच युवक क्रेटा कार में हरियाणा गए थे। सुबह 7.30 क्रेटा कार हरियाणा के केएमपी एक्सप्रेस वे हाईवे पर तेज रफ्तार में भागी चली जा रही थी। उस वक्त चालक ने अचानक स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवा दिया और कार एक ट्रक के साथ टकरा गई। टक्कर इतनी जबर्दस्थ थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार 4 युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141480

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com